संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 347
पृष्ठ 8
बुधवार
10 सितंबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- फेस स्किन को ग्लो देंगे ये अमेजिंग...

विचार- बंगाल चुनाव से पहले सांप्रदायिकता...

खेल- हताश होकर नाइटक्लब में बैठा था...

नफरत फैलाने का माध्यम बनता जा रहा सोशल मीडिया : सीएम योगी

बस्ती, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेट फार्म का सोसाइटी में दुरुपयोग हो रहा है। इस प्लेटफार्म का उपयोग अच्छी शिक्षा के लिए किया जाना था। कोरोना काल में जगह–जगह से ऑन लाइन शिक्षा की व्यवस्था की गई। यह इसका सकारात्मक पक्ष है। मगर दूसरी तरफ सोशल मीडिया गलत ग्रुप बनाकर जातियों के बीच गाली–गलौज करने का माध्यम बनती जा रही है। फेक ग्रुप बनाकर नफरत फैलाने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। टेक्नॉलोजी को अपने अनुरूप ढालने का दायित्व हमारे ऊपर है। उसे समाज लोक कल्याण के लिए कैसे इस्तेमाल किया जा सकता है,इस पर काम करना होगा। विद्या भारती के नए प्रकल्प का भूमिपूजन कार्यक्रम में पहुंचे मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश प्रकृति और परमात्मा का प्रदेश है। हमारे पास सब कुछ है लेकिन हम भाग्य के भरोसे छोड़े हुए हैं। जिसे बीमारू कहा जाता था आज वही उत्तर प्रदेश विकास का इंजन बन गया है। आज से चार सौ वर्ष पहले भारत में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था थी। मगर भारत के आजाद होते तक इतना लूटा गया कि वह कमजोर होता गया। भारत को तोड़ा गया, उसकी विरासत को लूटा गया। विदेशी ताकतें देश के लोगों को हतोत्साहित करते थे। जिसका असर यह हुआ कि लोग हेय दृष्टि से देखने लगे थे। सालार मसूद को जगह–जगह पूछने लग गए लेकिन सुहेल देव महाराज को भूलते गए। स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने की पैरवी करते हुए कहा कि विदेशी कंपनियों को जाने वाला पैसा आतंकवादियों तक आता है।

सैनिकों के प्रति सम्मान का भाव रखना होगा

सीएम ने कहा कि सभी को विकसित बनना होगा। इसके लिए योजना बनाकर काम करना होगा। कहा कि प्रधानमंत्री ने आगामी 25 वर्ष की कार्य योजना बनाने को कहा है। योजना बनाकर किए गए कार्य से ही समर्थ बना सकते हैं। सरकार हर साल अपना बजट प्रस्तुत करती है, जिसमें एक विजन होता है, जिसमें एक वर्ष के लिए तो व्यवस्था करते ही हैं, पांच व पच्चीस वर्ष की भी योजना बनाई जाती है। इसी तरह सभी को अल्प कालीन, मध्य कालीन और दीर्घ कालिक योजना बनाना चाहिए। एआई जिस तेजी से बढ़ रहा है,उसमें नया सबक होगा। इसका महत्वपूर्ण कार्यों में इसका इस्तेमाल तो करें लेकिन इसका दुरुपयोग भी बहुत हो रहा है। डीप फेक के माध्यम से ब्लैक मेलिंग, डिजिटल अरेस्ट को रोकने के लिए सरकार ने उपाय तो किए हैं लेकिन टेक्नोलॉजी हमारे किसी आगे बढ़ाने में इसका उपयोग तो करना चाहिए लेकिन यदि मनोरंजन के लिए तीन–चार घंटे खर्च कर रहे हैं तो अपने पैर में कुल्हाड़ी मार रहे हैं।

नेपाली प्रधानमंत्री ओली का इस्तीफा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में बड़े पैमाने पर हो रहे उग्र प्रदर्शनों को देखते हुए प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने मंगलवार को अपने पद से त्यागपत्र दे दिया। नेपाली मीडिया के अनुसार प्रधानमंत्री कार्यालय ने उनके त्यागपत्र की पुष्टि की है। देश में भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के खिलाफ सोमवार को कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे। प्रदर्शनकारी कई स्थानों पर उग्र हो गए और उन्होंने आगजनी, तोड़फोड़ और पथराव किया। पुलिस की कार्रवाई में कल 20 लोगों की मौत हो गई थी और 350 लोग घायल हो गए थे। इससे पहले गृहमंत्री रमेश लेखक ने सोमवार को गोलीबारी की घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से त्यागपत्र दे दिया था। इसके अलावा तीन और मंत्रियों ने आज पद से इस्तीफा दे दिया था। श्री ओली ने आज सुबह घोषणा की थी कि शाम को सर्वदलीय बैठक बुलाई जायेगी। प्रदर्शनकारी श्री ओली के इस्तीफे की मांग को लेकर आज सड़कों पर उतर आये थे। इसके बाद श्री ओली ने इस्तीफा दे दिया।

सीपी राधाकृष्णन निर्वाचित हुए देश के नए उपराष्ट्रपति

सुदर्शन रेड्डी को हराया

नई दिल्ली। एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन देश के नए उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं। आज हुए मतदान में सीपी राधाकृष्णन को कुल 452 वोट मिले। वहीं विपक्षी गठबंधन इंडिया के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। राधाकृष्णन ने 152 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की।

उप राष्ट्रपति चुनाव में कुल 98 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। शाम पांच बजे मतदान समाप्त होने के एक घंटे बाद छह बजे मतगणना प्रारंभ हुई। मतगणना समाप्त होने के बाद आज देर शाम नतीजे घोषित किए गए। जिसमें एनडीए उम्मीदवार को कुल 452 वोट मिले। जबकि विपक्ष के उम्मीदवार को 300 वोट मिले।

इससे पहले मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत 769 सांसदों ने उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान किया।

अब्बास अंसारी फिर बने विधायक, हाई कोर्ट के फैसले के बाद सचिवालय ने जारी किया आदेश

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानसभा सचिवालय ने सोमवार को अब्बास अंसारी की राज्य विधानसभा सदस्यता बहाल करने के आदेश जारी किए। यह आदेश इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा मऊ स्थित सांसद/विधायक विशेष न्यायालय द्वारा पूर्व में सुनाई गई दो साल की जेल की सजा को रद्द करने के फैसले के बाद आया है। मऊ निर्वाचन क्षेत्र से 2022 का विधानसभा चुनाव जीतने वाले अंसारी, भड़काऊ भाषण के एक मामले में सांसद/विधायक न्यायालय द्वारा दो साल की जेल की सजा सुनाए जाने के बाद अपनी विधायकी खो चुके थे। फैसले को चुनौती देते हुए, अंसारी ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, जिसने निचली अदालत के फैसले को पलट दिया और विधायक के रूप में उनकी बहाली का रास्ता साफ कर दिया। अब्बास अंसारी गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी के बेटे हैं, जिनकी जेल में हृदय गति रुकने से मृत्यु हो गई थी। मऊ की सांसद/विधायक अदालत ने 31 मई, 2025 को अब्बास अंसारी को 2022 के विधानसभा चुनावों के दौरान भड़काऊ भाषण देने का दोषी ठहराया था। उन्हें दो साल की जेल और 3,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई गई थी। दोषसिद्धि के बाद, 1 जून, 2025 को उनका विधायक पद रद्द कर दिया गया था। उत्तर प्रदेश सरकार ने गैंगस्टर–राजनेता मुख्तार अंसारी के कब्ज़े वाली ज़मीन पर आम जनता के लिए आवासीय फ्लैटों का निर्माण कराया है। लखनऊ के पॉश डालीबाग इलाके में स्थित इस ज़मीन को लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने अंसारी के अवैध कब्ज़े से मुक्त कराया है। पुनर्प्राप्त ज़मीन पर कुल 72 फ्लैट बनाए गए हैं। इन चार मंज़िला इमारतों में 360 वर्ग फुट क्षेत्रफल वाले फ्लैट हैं जिनमें दो कमरे, एक बाथरूम, एक पेंट्री और एक बालकनी है।

जयराम रमेश का सवाल: धनखड़ 50 दिनों से चुप क्यों?

देश उनके बयान का कर रहा है इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पिछले 50 दिनों से असामान्य चुप्पी साध रखी है और उनके उत्तराधिकारी के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही, देश उनके बोलने का इंतज़ार कर रहा है। मंगलवार को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए के सी.पी. राधाकृष्णन और विपक्ष के बी. सुदर्शन रेड्डी के बीच सीधा मुकाबला है, और धनखड़ के अचानक इस्तीफ़े के कारण ज़रूरी हुए इस चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को स्पष्ट बढ़त हासिल है। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा कि पिछले 50 दिनों से धनखड़ ने असामान्य चुप्पी साध रखी है। रमेश ने एक्स पर लिखा कि पिछले 50 दिनों से जगदीप धनखड़ ने अप्रत्याशित चुप्पी साध रखी है। आज जब उनके उत्तराधिकारी के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो रही है, तब भी देश उनके ऐतिहासिक और अप्रत्याशित इस्तीफे पर बयान का इंतज़ार कर रहा है। उन्होंने उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा उस समय दिया था जब उन्होंने मोदी सरकार द्वारा किसानों की घोर उपेक्षा, सत्ता में बैठे लोगों के 'अहंकार' से पैदा होने वाले खतरों और अन्य मुद्दों पर चिंता व्यक्त की थी। इस बीच, कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने रायपुर में संवाददाताओं से कहा, ष्उपराष्ट्रपति चुनाव क्यों हो रहे हैं? पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ कहाँ हैं?ष उन्होंने कहा कि एनडीए को चुनावों में अपना बहुमत साबित करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी बहुत मज़बूत हैं। मुझे उम्मीद है कि नतीजे हमारे पक्ष में होंगे।ष मतगणना आज शाम को होगी। राधाकृष्णन और उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार के रूप में नामित सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी के बीच मुकाबला तय है। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए और विपक्षी दलों, दोनों ने इस महत्वपूर्ण दिन से पहले मॉक पोल आयोजित किए और सांसदों से कहा कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग करते समय सावधानी बरतें, कहीं उनका वोट अमान्य न हो जाए। ऐसा प्रतीत होता है कि एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को 427 सांसदों का समर्थन प्राप्त है, जो बहुमत के 391 के आंकड़े से कहीं अधिक है। एक भाजपा नेता ने कहा था कि एनडीए उम्मीदवार को कम से कम 427 वोट मिलने की उम्मीद है।

मोदी के बाद अब राहुल भी करेंगे हिमाचल तथा पंजाब का दौरा

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद अब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी बाढ़ ग्रस्त हिमाचल और पंजाब का दौरा करेंगे। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार श्री गांधी की यात्रा का समय अभी निश्चित नहीं हुआ है लेकिन वह इसी सप्ताह हिमाचल प्रदेश और पंजाब जाएंगे और वहां बाढ़ पीड़ितों से भी मुलाकात करेंगे। सूत्रों ने बताया कि श्री गांधी बाढ़ की स्थिति पर बराबर नजर रखे हैं और उनका कहना है कि वह पीड़ितों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर खड़े हैं। उनका कहना था कि श्री गांधी बाढ़ की स्थिति को लेकर बराबर हिमाचल सरकार के संपर्क में है। यह पूछने पर कि क्या श्री गांधी बाढ़ पीड़ित उत्तराखंड भी जाएंगे। सूत्रों ने कहा कि इसकी अभी उन्हें कोई जानकारी नहीं है। गौरतलब है कि हिमाचल प्रदेश में इस पूरे मौसम में जगह–जगह बादल फटने और भूस्खलन की घटनाएं हो रही है जिसके कारण राज्य को जन धन का भारी नुकसान हुआ है। पंजाब और हरियाणा में बाढ़ के कारण तबाही मची है और जनजीवन पूरी तरह से अस्त–व्यस्त हो गया है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री सचिवालय और मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी, बढ़ाई गई सुरक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री सचिवालय और राष्ट्रीय राजधानी स्थित मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज में बम की धमकी मिलने के बाद सोमवार को सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, धमकी के संबंध में एक अलग कॉल भी प्राप्त हुई, जिसके बाद एहतियात के तौर पर कई दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दिल्ली पुलिस ने कहा कि धमकी भरे ईमेल में एमएएमसी और मुख्यमंत्री सचिवालय दोनों में संभावित विस्फोट का उल्लेख था। मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के तहत तत्काल और समन्वित कार्रवाई की गई और दोनों जगहों पर बम का पता लगाने और उसे निष्क्रिय करने वाली टीमों (बीडीडीटी) को तैनात किया गया। अतिरिक्त डीसीपी (मध्य), एसीपी कमला मार्केट और एसएचओ आईपी एस्टेट सहित वरिष्ठ अधिकारी सचिवालय में तोड़फोड़–रोधी जाँच की निगरानी में मौजूद थे। एमएएमसी में, आईपी एस्टेट थाने के अतिरिक्त यातायात अधिकारी (एटीओ) द्वारा इस अभ्यास की निगरानी की जा रही थी। दोनों स्थानों पर मौजूद लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाए गए हैं। पुलिस उपायुक्त (मध्य) निधिन वलसन ने एक बयान में कहा घबराने की कोई बात नहीं है। वाल्सन ने आगे कहा कि साइबर पुलिस स्टेशन की एक टीम ईमेल की उत्पत्ति और प्रामाणिकता की जाँच कर रही है। शुरुआती जाँच में पहले भेजे गए फर्जी धमकी भरे ईमेल से समानताएँ सामने आई हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रारंभिक जाँच से संकेत मिलता है कि यह संदेश किसी दूसरे राज्य के लिए भेजा गया हो सकता है। हालाँकि, हम इसे पूरी गंभीरता से ले रहे हैं और सभी मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), यातायात पुलिस और विशेष प्रकोष्ठ को भी सूचित कर दिया गया है और वे कार्रवाई में मदद कर रहे हैं।

नेपाल में हिंसा के बीच ममता का सीमावर्ती जिलों को निर्देश : शांति रखें, दखल न दें

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को नेपाल सीमा से सटे ज़िलों से शांति बनाए रखने और पड़ोसी देश में जेनरेशर्न के विरोध प्रदर्शनों में हस्तक्षेप न करने का आग्रह किया। मीडिया से बात करते हुए, मुख्यमंत्री बनर्जी ने सीमावर्ती ज़िलों से आग्रह करते हुए कहा कि यह उनका मामला नहीं है और इस पर निर्णय लेने का अधिकार केवल नेपाल को है। उन्होंने कहा कि (नेपाल के साथ) सीमा से सटे हमारे ज़िलों से मेरा अनुरोध है कि कृपया शांति बनाए रखें और सुनिश्चित करें कि किसी को कोई परेशानी न हो, क्योंकि यह हमारा मामला नहीं है। नेपाल को अपने आंतरिक मामले पर निर्णय लेने

दें, हालाँकि हम उनसे प्यार करते हैं। हमें इसमें हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। मुख्यमंत्री ममता ने कहा कि नेपाल मेरा देश नहीं है; यह एक विदेशी देश है, इसलिए मैं इस पर टिप्पणी नहीं कर सकती। भारत सरकार इस पर टिप्पणी करेगी। लेकिन यह हमारा पड़ोसी देश है, और हम नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान और सभी सीमावर्ती देशों से प्यार करते हैं। हालाँकि, मौजूदा हालात को देखते हुए, अगर भारत सरकार हमें कुछ भी बताती है, तो हम उसके अनुसार प्रतिक्रिया दे सकते हैं। अन्यथा, इस मामले को भारत सरकार को देखना होगा। यह नेपाल में प्रधानमंत्री के.पी. ओली के इस्तीफे के बाद बढ़ती अशांति के मद्देनजर आया है, जिसके चलते देशभर में दूसरे दिन भी हिंसक विरोध प्रदर्शन जारी है। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के इस्तीफे को आधिकारिक रूप से स्वीकार कर लिया है। यह घोषणा मंगलवार दोपहर को ओली ने की थी। द हिमालयन टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, यह इस्तीफा जेनरेशन जेड के युवाओं द्वारा किए जा रहे अभूतपूर्व विरोध प्रदर्शनों के बीच आया है।

हिमाचल–पंजाब बाढ़ पर पीएम मोदी का बड़ा बयान :

संकट की घड़ी में केंद्र पीड़ितों के साथ

● पीएम मोदी ने हिमाचल बाढ़ का हवाई जायजा लिया, बोले– राहत में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे

शिमला, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा से बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित मंडी और कुल्लू जिलों का हवाई सर्वेक्षण किया और भारी मानसूनी बारिश से हुई तबाही का जायजा लिया। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए के सीपी राधाकृष्णन और इंडिया ब्लॉक के बी सुदर्शन रेड्डी के बीच उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान किया था। नरेन्द्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश में बाढ़ से प्रभावित लोगों से बातचीत की। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश में बाढ़ की स्थिति का आकलन करते हुए मोदी ने एनडीआरएफ और एसडीआरएफ कर्मियों के साथ बातचीत की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने हिमाचल प्रदेश के लिए 1500 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की। एसडीआरएफ और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी की जाएगी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृतियाँ, राष्ट्रीय राजमार्गों का जीर्णोद्धार, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के तहत राहत का प्रावधान और पशुधन के लिए मिनी किट जारी करने का काम भी किया जाएगा। हिमाचल प्रदेश में बाढ़ की स्थिति पर एक प्रेजेंटेशन देखते हुए नरेंद्र मोदी। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू भी उनके साथ रहे। बाद में मोदी ने एक्स पर लिखा कि हिमाचल प्रदेश में भारी बाढ़ और लैंडस्लाइड से प्रभावित कुछ लोगों से बातचीत की। उनकी पीड़ा के साथ ही त्रासदी से हुआ नुकसान मन को व्यथित करने वाला है।

एसआरएन की ओपीडी में हर 9वां मरीज त्वचा रोग से पीड़ित

प्रयागराज। मौसम का उतार–चढ़ाव लोगों की सेहत पर भारी पड़ रहा है। बारिश के साथ गर्मी और उमस से अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ गयी है। सोमवार को पंजीकरण खिड़की के सामने से लेकर डॉक्टरों के ओपीडी कक्ष, दवा वितरण केंद्र, यूजर चार्जेज काउंटर और केंद्रीय पैथोलॉजी में मरीजों की भीड़ रही। बुखार में हालांकि वायरल का प्रकोप है, लेकिन त्वचा के

रोगी भी कम नहीं हैं। एसआरएन अस्पताल के त्वचा विभाग की एक ही ओपीडी चलने के कारण दोपहर 3रू30 बजे तक मरीजों की कतार लगी रही, जिसमें लगभग 350 से अधिक मरीज पहुंचे। यानी अस्पताल की कुल ओपीडी में 9वां मरीज त्वचा रोग से संबंधित रहा। त्वचा से अधिक ओपीडी मेडिसिन विभाग की 380 रही। त्वचा रोग विभाग में डॉ. अमित शेखर ने बताया कि मौसम में बदलाव के कारण शरीर में लाल दाने, चकत्ते, दाद–खाज, खुजली आदि से मरीज अधिक प्रभावित हो रहे हैं।

सीखने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की दी प्रेरणा

प्रयागराज। इलाहाबाद डिग्री कॉलेज, गर्ल्स विंग, जीरो रोड के शिक्षा विभाग में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया गया। शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मनमोहक गणेश–सरस्वती वंदना से हुआ। शिक्षा विभाग की संयोजक प्रो. जया मुखर्जी ने

स्वागत भाषण दिया और प्राचार्य प्रो. अतुल कुमार सिंह तथा कॉलेज प्रभारी प्रो. तनूजा तिवारी का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया गया। प्राचार्य प्रो. सिंह ने अपने संदेश में साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को जीवन में निरंतर सीखने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इसके बाद विद्यार्थियों ने नाट्य प्रस्तुति, पोस्टर प्रतियोगिता, भाषण एवं कविता पाठ जैसी विविध गतिविधियों से कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। निर्णायकों की ओर से प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन कर विजेताओं को प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्रदान किए गए।

रसूलाबाद घाट पर मारपीट में दो आरोपी का चालान

प्रयागराज। रसूलाबाद घाट पर रविवार को शव के दाह संस्कार से पहले मामूली विवाद में जमकर मारपीट हुई थी। प्रतापगढ़ से आए लोगों और घाट के नाविकों व स्थानीय लोगों के बीच मारपीट के मामले में दोनों पक्ष से अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस ने सोमवार को एक पक्ष के दो लोगों को गिरफ्तार करने के बाद चालान किया गया। पुलिस एफआईआर व मारपीट के वायरल वीडियो फुटेज के आधार पर अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है। प्रतापगढ़ जिले के पंगुलापुर सराय जमुआरी थाना कंधई के 45 वर्षीय राजेंद्र प्रसाद तिवारी का निधन होने पर शव दाह को लोग रसूलाबाद घाट पर आए थे। घाट के समीप स्थानीय लोगों से कहासुनी के बाद मारपीट हो गई थी। इसमें एक पक्ष के चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। शिवकुटी थाना प्रभारी रुकमपाल सिंह ने बताया कि एक पक्ष के विजय कुमार व राजकुमार निषाद निवासी रसूलाबाद को गिरफ्तार कर चालान किया गया। उन्हें निजी मुचलके पर रिहा कर दिया गया है।

एसआरएन में नि:शुल्क जांच के लिए भटक रहे मरीज

प्रयागराज। अस्पताल प्रशासन की ओर से प्रमुख अधीक्षक कार्यालय में गरीब मरीजों को निरूशुल्क जांच की सुविधा है। लेकिन मरीजों के जांच की पर्ची ओपीडी में डॉक्टरों को ही बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। ओपीडी में भीड़ अधिक होने के कारण जरूरतमंद मरीजों को निरूशुल्क जांच की पर्ची नहीं बन पा रही है। सोमवार को आर्थो और मेडिसिन विभाग में निरूशुल्क जांच की पर्ची बनवाने के लिए मरीज इंतजार करते रहे लेकिन पर्ची नहीं बन सकी।ट्रामा सेंटर में लगी एक्स–रे मशीन सोमवार को खराब होने से मरीजों को काफी परेशानी होगी। ट्रामा सेंटर से गंभीर मरीज को स्ट्रेचर व व्हीलेयर पर लेकर तीमारदार पीएमएसएसवाई बिल्डिंग गए।

दरभंगा में दिखेगा थाईलैंड के बुद्ध मंदिर का आकर्षण

प्रयागराज। थाईलैंड के प्रमुख बौद्ध मंदिरों में बैंकाक के पन्ना बुद्ध मंदिर की तर्ज पर इस बार प्रयागराज में भी उसकी भव्यता दिखाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए श्री दरभंगा दुर्गा पूजा समिति अपने 67वें दुर्गा पूजा महोत्सव में पंडाल को थाईलैंड के 'बुद्ध मंदिर थीम पर तैयार करा रही है। खास बात है कि पंडाल के मुख्य द्वार पर बुद्ध की आठ फीट की प्रतिमा भी जनमानस को आकर्षित करेगी। समिति के अध्यक्ष देवव्रत वासु व सह अध्यक्ष संजय मुखर्जी ने दरभंगा कालोनी में स्थित दुर्गा पूजा पार्क में पंडाल का निर्माण कार्य पांच अगस्त से शुरू कराया है। कोलकाता से आए एक दर्जन कारीगर 55 फीट ऊंचे पंडाल का निर्माण कर रहे हैं। पंडाल पूरी तरह से फोम से बनाया जाएगा। निर्माण कार्य 24 सितंबर तक पूरा होगा। 27 सितंबर को मां दुर्गा की 14 फीट की प्रतिमा का पंडाल में आगमन होगा। मां के अस्त्र–शस्त्र और सारे आभूषण कोलकाता से मंगवाए गए हैं। सह अध्यक्ष ने बताया कि प्रत्येक वर्ष महोत्सव के जरिए हमारा प्रयास होता है कि प्रयागराज के जनमानस को कुछ अलग दिखाया जाए, ताकि लंबे समय तक उसकी यादें जेहन में रहें।

बेतरतीब वाहनों के खड़े होने से लग रहा जाम, प्रभावित हो रहा बाजार का कामकाज

प्रयागराज। सहसों सहसों में यातायात की व्यवस्था पूरी तरह से खराब हो गई है। सही तरीके से इसका पालन नहीं कराए जाने से चारों तरफ जाम की स्थिति पैदा हो गई है। चौराहा, सड़क व दुकानों के सामने सभी जगह जाम की स्थिति दिखाई देती है। जिसके चलते आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है। बेतरतीब ढंग से खड़ी गाड़ियां दुर्घटना का कारण बन गई है। सहसों गोल चौराहे पर तीन पहिया अप्पे की भरमार है। गोल चौराहा से झूंसी रोड, फाफामऊ रोड, हनुमानगंज रोड, फूलपुर व चौराहा के चारों तरफ गाड़ियों के बेहिसाब ढंग से खड़े होने से यहां जाम की स्थिति बनी रहती है।

सहसों गोल चौराहा की गिनती जनपद के बड़े चौराहों में की जाती है। इतनी जगह होने के बावजूद अप्पे चालक अपनी गाड़ियों को सवारी भरने के चक्कर में इधर–उधर खड़ी कर देते हैं। प्रयागराज से जौनपुर व गोरखपुर, वाराणसी प्रतापगढ़ आदि स्थानों को जाने वाली गाड़ियों को यहां पर जाम की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोग और बाजार का कारोबार भी इसके कारण प्रभावित हो रहा हैं। दो पहिया वाहन सवार आए दिन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। इसके बावजूद इस पर किसी का ध्यान नहीं है। सहसों बाजार व्यापारिक दृष्टि से गंगापार की प्रमुख बाजारों में शुमार है। यहां से जौनपुर, गोरखपुर, वाराणसी, प्रतापगढ़ और लखनऊ के मार्ग आकर जुड़ते हैं। इसके बावजूद प्रशासन की ओर से बेतरतीब वाहनों को खड़ा करने पर कोई कार्रवाई नहीं होती। गाड़ी चालक गाड़ियों में तेज आवाज के साथ फूहड़ गाना बजाते हुए इधर–उधर खड़ी कर देते हैं। इनके ऊपर कोई लगाम व अंकुश नहीं रह गया है। चौराहे के आसपास के दुकानदार भी इनसे परेशान है। यह दुकानों के सामने अपनी गाड़ियों को लगाकर खड़ी कर देते हैं। कई दुकानदारों का कहना है कि इनसे कुछ कहने पर यह लड़ाई झगड़े पर आमादा हो जाते हैं। यहां के लोगों का आरोप है कि यदि पुलिस गाड़ी चालकों को हिदायत देकर सही तरीके से सड़क की पटरी पर गाड़ियां खड़ी करवाएं तो यह स्थिति पैदा होने से बच जाए। सबसे खराब स्थिति प्रयागराज से सहसों होकर फूलपुर जाते समय सहसों बाईपास समाप्त होने के थोड़ा आगे बढ़ते ही बाई पटरी पूरे

दिन जाम की स्थिति देखने को मिलती है। यहां कुछ ठेला वालों के साथ ही मिठाई की दुकानों के सामने गाड़ियों की लाइन लगी रहती है। करीब आधी सड़क पर अतिक्रमण बना हुआ है। इधर से आवागमन करने वाले लोग इस अव्यवस्था से परेशान रहते हैं। अधिकतर दुर्घटनाएं आए दिन यहां पर होती रहती है। अभी कुछ दिन पहले दुकानों के सामने अतिक्रमण के कारण एक युवक का पैर टूट गया था। मिठाई खरीदारों की गाड़ियां यहां पर आड़ी तिरछी ढंग से खड़ी रहती है। दुकानदारों के पास कोई पार्किंग की व्यवस्था नहीं होने से जाम की स्थिति बनी रहती है। इसी रास्ते से तहसील स्तर के कई अधिकारियों का आवागमन प्रतिदिन बना रहता है। उसके बावजूद स्थानीय व बाहरी लोग जाम की स्थिति से हमेशा जूझते हुए नजर आते हैं। व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है सहसों बाजार सहसों। व्यापारिक दृष्टि से सहसों बाजार काफी महत्वपूर्ण है। यहां पर प्रसिद्ध भोला सुर्ती कारखाना, शिवा इंडस्ट्रियल एरिया आदि महत्वपूर्ण संस्थान है। जहां पर कच्चा व पक्का माल लेकर गाड़ियों का आगमन हमेशा बना रहता है। बाहर से भी व्यवसाई अपने व्यवसाय के सिलसिले में आते जाते रहते हैं। यातायात व्यवस्था सही रहने से उनको भी इस असुसुविधा से राहत मिलेगी। जाम के कारण व्यापारियों को भी होती है असुविधाएं जाम की स्थितियां पैदा होने से कई बार खरीददार दूसरे दुकानों पर जाकर खरीददारी कर लेते हैं। जिससे कई दुकानदारों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। व्यापारियों का आरोप है कि स्थानीय पुलिस बीच बीच में इसकी निगरानी करती रहे तो है यह स्थितियां पैदा न हो। राम जानकी मंदिर से बाजार रोड पर भी जाम की स्थिति बनी रहती है। इस मार्ग से कोई चार पहिया वाहन लेकर गुजरना चाहे तो उसके लिए बड़ा मुश्किल कार्य है। बैंक ऑफ़ बड़ौदा से लेकर पीपल पेड़ के पास तक प्रतिदिन यह स्थिति बनी रहती है। यहा के निवासियों एवं चार पहिया वाहन स्वामियों दोनों को की समझदारी से ही इस समस्या का समाधान हो सकता है। बाजार के दिन जाम से परेशान रहते हैं राहगीर बाज़ार मार्ग पर मंगलवार व शुक्रवार और झूंसी रोड पर स्थित लाला बाजार में सोमवार और गुरुवार के दिन बाजार लगता हैं। इस दिन शाम के समय झूंसी रोड पर निकलना मुश्किल रहता है। यह मार्ग प्रयागराज से जौनपुर होते हुए गोरखपुर को जोड़ती है। बाजार के दिन साइकिल दो पहिया व चार पहिया वाहनों के खड़े होने से जाम की समस्या अधिक रहती है। यहां के दुकानदार काफी परेशान रहते हैं। उनका कहना है कि इस दिन यदि यहां कोई रूट प्लान लागू किया जाए तो यह समस्या न आए। बोले जिम्मेदार सार्वजनिक मार्गों पर गाड़ियां खड़ी कर यातायात को बाधित करना ठीक नहीं है। इस मामले को सरायइनायत और सहसों पुलिस से जांच करवाकर कार्रवाई कराई जाएगी। बीच–बीच में इन सवारी गाड़ियों के खिलाफ पुलिस द्वारा अभियान चलाया जाता रहता है। इसके बावजूद यदि इस तरह का मामला सामने आता है तो गाड़ियों का चालान करके गाड़ी चालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किया जाएगा। जिससे आम जनमानस को जाम की स्थिति से गुजरा नही पड़े। चंद्रपाल सिंह, पुलिस एसीपी थरवई सर्किल सहसों चौकी इंचार्ज का पद संभाले हुए अभी कुछ दिन हुआ है। इस मामले में समस्या ग्रस्त सभी स्थानों की निगरानी कराई जाएगी। यातायात की व्यवस्था सुचारू रूप से चलती रहे। जाम की स्थिति न पैदा हो. इसके लिए अभियान चलाकर सड़क व चौराहा पर जाम पैदा करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई किया जाएगा। आम जनमानस के आवागमन में किसी प्रकार की दिक्कत पैदा न हो इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा। धर्मेंद्र मौर्य, सहसों पुलिस चौकी इंचार्ज

सड़कों पर जाम लगना एक गंभीर समस्या है। इसलिए पुलिस को पूरी सक्रियता दिखानी चाहिए। सरकार की मंशा है कि सड़क साफ और सुथरी हो। जिससे गुजरने वाले लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े। –वीरेंद्र बहादुर सिंह, शाखा अध्यक्ष भूमि विकास बैंक भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के समय से ही सहसों का नाम बड़े भाव से लिया जाता है लेकिन यहां की समस्याओं पर किसी का ध्यान नहीं जाता। जाम की समस्या, सहसों बाजार का आज तक सहसों ब्लॉक में शामिल नहीं होना, जलभराव आदि कई समस्याएं हैं। जिन पर यहां के जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों का ध्यान नहीं जा रहा है। –देवराज उपाध्याय, कांग्रेस नेता जाम की समस्या से निपटने के लिए एक कार्य योजना होनी चाहिए। सरकार के काफी प्रयास से अब सड़कें काफी चौड़ी हो गई है। उसके बावजूद स्थानीय सवारी गाड़ियों के कारण जाम लगना ठीक नहीं है। –जय प्रकाश दुबे, समाजसेवी व वरिष्ठ भाजपा नेता कभी–कभी गंभीर मरीज को ले जा रही एम्बुलेंस जाम में फंस जाती है। जिसके कारण काफी दिक्कत पैदा हो जाती है। पुलिस की सक्रियता के कारण इस तरह की समस्या पैदा न हो इसके लिए आवश्यक कार्यवाही करना चाहिए। –रमेश दुबे, शिक्षक नेता जाम की स्थिति से निपटने के लिए पुलिस को आवश्यक कार्यवाही करनी चाहिए। जिससे समस्या से निजात मिल सके। वाहन चालकों को भी यह ध्यान देना चाहिए कि उनके कार्य से किसी को कोई असुविधा न हो। –संजय सिंह, समाजसेवी गाड़ी चालक पूरे चौराहे पर अव्यवस्था फैला कर रख दिया है। इनके लिए एक पार्किंग की व्यवस्था होनी चाहिए। जिससे वह अपनी गाड़ियों को सही तरीके से खड़ी कर सके और लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। –राज धर दुबे, पूर्व ग्राम प्रधान सहसों जाम के कारण स्थानीय लोगों को काफी दिक्कतें आती हैं। आधी सड़क पर वाहनों के खड़ा रहने से दुर्घटना होने का डर बना रहता है। यह सब एक किनारे गाड़ी खड़ी करें तो इस तरह की दिक्कत न आए। –कृष्णा केसरवानी, दुकानदार कई स्थानों पर यह दिक्कत बनी हुई है। इसका सही तरीके से निदान होना चाहिए। पुलिस द्वारा एक स्थानीय बैठक कराकर इस समस्या के समाधान का प्रयास करना चाहिए। –प्रहलाद मोदनवाल, समाजसेवी गाड़ी चालकों को भी समझना चाहिए कि सवारी बैठाने के चक्कर में वह सड़कों पर अतिक्रमण कर रहे हैं। जिससे लोगों को आवागमन में कठिनाई होती है। उनको अपने साथ दूसरों की सुविधाओं का भी ध्यान रखना चाहिए। –कलेक्टर पांडेय, समाजसेवी

चीखती रही मां, आंखों के सामने कलेजे के टुकड़े को कुल्हाड़ी से काट डाला

प्रयागराज। जिस बेटे को 25 साल तक पाल–पोष कर बड़ा किया, उसी कलेजे के टुकड़े की नृशंस हत्या देख फूला देवी बदहवास हो गई। नशे में धुत अपने पति लालजी यादव को फूला देवी ने रोकने का प्रयास किया। कमरे का दरवाजा बाहर से बंद होने के बाद भी खिड़की से हाथ जोड़कर विनती करती रही, लेकिन हत्यारोपी पिता के सिर पर खून सवार था।

लालजी यादव ने अपने ही हाथों से पत्नी फूला देवी के आंखों के सामने ही उसके कलेजे के टुकड़े विनोद को मौत के घाट उतार दिया। सोरांव के अहिबीपुर गांव निवासी लालजी यादव ने जमीन बेचने के विवाद को लेकर शराब के नशे में धुत होकर रविवार की देर रात अपने ही बड़े बेटे विनोद यादव को सोते समय कुल्हाड़ी से काटकर निर्मम हत्या कर दी।

तीन बेटे व दो बेटियों में

विनोद यादव बड़ा बेटा था। फूला देवी की तहरीर पर पुलिस ने लालजी को गिरफ्तार कर नामजद एफआईआर दर्ज की। फूला देवी ने पुलिस को बताया कि रविवार देर शाम लालजी यादव और विनोद के बीच कहासुनी हुई थी। रात में विनोद घर के बाहर चारपाई पर सो रहा था। देर रात नशे में धुत लालजी घर के अंदर कुल्हाड़ी लेने गया तो आहट मिलने पर फूला देवी और बेटी अंचन की नींद खुल गई। लालजी के हाथ में कुल्हाड़ी देख दोनों अवाक रह गए। फूला देवी ने पति के आगे खड़े होकर रोकने का प्रयास किया लेकिन, उसने पत्नी और बेटी को धमकी देते हुए कमरे में बंद कर दिया। कमरे की खिड़की से फूला देवी रिश्ते की दुहाई देते हुए बेटे को माफ करने की अपील करती रही। बेटी अंचन ने भी रोते–बिलखते गुहार लगाई लेकिन, लालजी ने घर के बाहर बरामदे में सो रहे विनोद की गर्दन पर कुल्हाड़ी से पहला वार किया, तो वह उछल पड़ा। इसके बाद लालजी ने पैर से दबाकर दूसरा वार करते हुए बेटे विनोद को मौत के घाट उतार दिया। विनोद की हत्या देख फूला देवी बदहवास होकर जमीन पर गिर गई। लालजी कुल्हाड़ी लेकर घर के बाहर टहलता रहा। घटना की जानकारी होते ही ग्रामीण भी स्तब्ध रह गए।

तारिक कराएंगे रामलीला, फैय्याज कुंभकर्ण और आबिद बनेंगे बाली

प्रयागराज। ध्रुव शंकर तिवारी प्रयागराज में इस वर्ष आयोजित होने जा रही रामलीला में तीन कमेटियों की रामलीला सांप्रदायिक सौहार्द और गंगा–जमुनी तहजीब की मिसाल कायम करने का काम करेगी। पहली बार पथरचट्टी, पजावा और कटरा रामलीला कमेटी की रामलीलाओं में मुस्लिम कलाकार अहम किरदार में दिखाई देंगे। प्रख्यात रंगकर्मी व बफ्टा नाट्य संस्था के संस्थापक तारिक खान श्री पथरचट्टी रामलीला कमेटी का निर्देशन करेंगे। 40 वर्षों से रंगमंच में सक्रिय तारिक खान अपने मशहूर नाटक 'दास्ताने राम का मंचन दुबई, लखनऊ और प्रयागराज में चुके हैं। पथरचट्टी रामलीला कमेटी के अध्यक्ष पं. मुकेश पाठक, महामंत्री विजय सिंह व प्रवक्ता लल्लू लाल गुप्त सौरभ के अनुरोध पर वह पहली बार अपने शहर में रामलीला का निर्देशन करने जा रहे हैं। वहीं श्री महंत बाबा हाथीराम पजावा रामलीला कमेटी की रामलीला में इस बार कुंभकर्ण की भूमिका के लिए करैली निवासी फैय्याज अहमद उर्फ फैजी का चयन किया गया है। फैजी सात सितंबर से अतरसुइया स्थित रामलीला मैदान में रिहर्सल के लिए जा रहे हैं। फैजी ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पत्रकारिता एवं

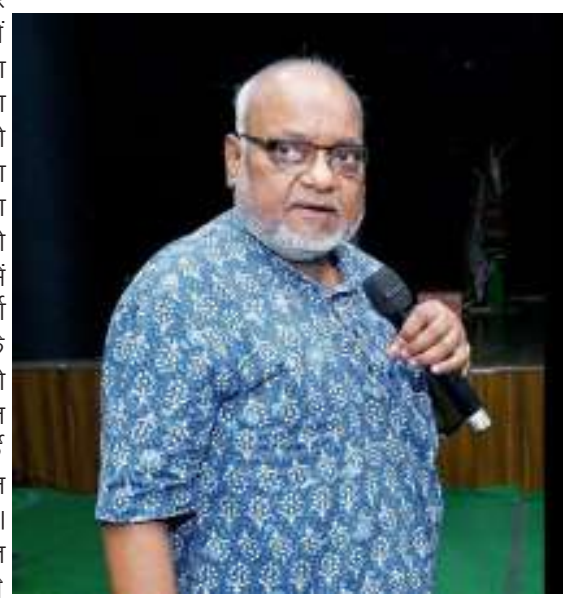

संचार का कोर्स किया है। वहीं श्री कटरा रामलीला कमेटी के अध्यक्ष सुधीर कुमार गुप्त कक्कू भइया व लीला के निर्देशक सुबोध सिंह ने रामलीला के ऑडिशन में करेली निवासी आबिद अली को बाली और अगस्त्य मुनि की भूमिका के लिए चुना है। आबिद भी रंगमंच की दुनिया में सक्रिय हैं और पहली बार रामलीला में अभिनय करने जा रहे हैं। निर्देशक और दोनों कलाकारों का मानना है कि गंगा–जमुनी तहजीब हमारे शहर की विरासत है और रामलीला में अपनी–अपनी भूमिका से इसे और अधिक जीवंत बनाने का कार्य किया जाएगा।

ओपीडी काउंटर का कूलर खराब, किशोर बेहोश

प्रयागराज। एसआरएन में जांच की पर्ची बनवाने वाली खिड़की के पास कूलर न होने से मरीज और तीमारदार गर्मी और उमस से व्याकुल रहते हैं। सोमवार को कतार में लगे कौशाम्बी के राम निहोर का 15 वर्षीय बेटा गर्मी से बेहोश होकर लिफ्ट के पास गिर गया। लोगों ने पानी लाकर मुंह धुला उसके बाद नई ओपीडी के पास लेकर चले गए। एक माह पहले सभागार में एक जंबो कूलर लगाया गया था, लेकिन वह भी दो सप्ताह से खराब है। इसलिए सोमवार को जब मरीजों की भीड़ उमड़ी तो गर्मी से लोग व्याकुल हो गए। पर्ची बनवाने वाली खिड़की के पास आठ काउंटर पर मरीजों की कतार लगती है। जगह कम होने के कारण उमस बढ़ जाती है, जिससे मरीजों परेशान हो जाते हैं।

नेहरू ग्राम भारती और बैंक ऑफ बड़ौदा के बीच एमओयू

प्रयागराज। नेहरू ग्राम भारती और बैंक ऑफ बड़ौदा के बीच बड़ौदा कॉर्पोरेट सैलरी पैकेज के अंतर्गत समझौता पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया है। यह कार्यक्रम सोमवार को संस्थान के जॉर्जटाउन स्थित कार्यालय में आयोजित हुआ। बैंक ऑफ बड़ौदा के क्षेत्रीय प्रमुख मनोज कुमार तिवारी और नेहरू ग्राम भारती सोसायटी के सचिव मनीष मिश्र ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। शिक्षक दिवस के अवसर पर हुआ यह समझौता शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों के लिए किसी उपहार से कम नहीं है। इस पहल से कर्मचारियों को आसानी से वित्तीय सहायता मिल सकेगी, वहीं छात्रों को कम ब्याज दर पर शैक्षिक ऋण (एजुकेशनल लोन) उपलब्ध होगा। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच एक अन्य समझौता पत्र 'इंटरनेट गेटवे पर भी हस्ताक्षर किए गए। हनुमानगंज शाखा की प्रबंधक कुमारी मातेश्वरी ने कहा कि इस समझौते से नेहरू ग्राम भारती के विद्यार्थियों को वित्तीय और तकनीकी दोनों स्तर पर बड़ी सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर नेहरू ग्राम भारती (मानित विश्वविद्यालय) के संस्थापक कुलाधिपति जेएन मिश्र, कुलपति प्रो. रोहित रमेश, प्रति कुलपति डॉ. एससी तिवारी, वित्त अधिकारी प्रो. विनोद कुमार पांडेय, लेखाकार विपुल पांडेय, सहायक कुलसचिव सत्येंद्र तिवारी आदि मौजूद रहे।

भवनस्वामी क्यूआर कोड के जरिए कर सकेंगे भुगतान

प्रयागराज। शहर के भवनस्वामी घरों से कूड़ा कलेक्शन का क्यूआर कोड के जरिए भी भुगतान कर सकेंगे। नगर निगम भवनस्वामियों को जल्द यह सुविधा प्रदान करने जा रहा है। शुल्क लेने वालों के पास ई–पॉश मशीन होगी। अभी घरों से कूड़ा लेने वाली एजेंसी के प्रतिनिधि हर महीने नकद शुल्क लेकर भवनस्वामी को रसीद देते हैं। अपर नगर आयुक्त दीपेंद्र यादव ने बताया कि क्यूआर कोड के जरिए भुगतान लेने को लेकर कार्यदायी एजेंसियों के साथ मीटिंग हुई है। एजेंसियों को ऑनलाइन भुगतान लेने का निर्देश दिया गया है। इस संबंध में संबंधित बैंकों को भी निर्देश दिया गया है।

त्रिवेणी एक्सप्रेस में युवक का बैग चोरी

प्रयागराज। त्रिवेणी एक्सप्रेस से चोरों ने एक यात्री का बैग गायब कर दिया है। बैग में कपड़ों के अलावा गहने और कीमती सामान था। सोनभद्र निवासी अजीत सिंह ने इस मामले में प्रयागराज जीआरपी थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस को बताया कि वह 15075 त्रिवेणी एक्सप्रेस से परिवार के साथ सफर कर रहे थे। लुसा से नैनी के बीच में उनका बैग गायब हो गया।

अलीगढ़ के वरिष्ठ पत्रकार सुखबीर शर्मा बने प्रदेश संयोजक

प्रयागराज। पत्रकारिता जगत में शीर्षस्थ चर्चित संगठन 'अखिल भारतीय समाचार पत्र एसोसिएशन' जिसके राष्ट्रीय अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार अखिलेश चन्द्र शुक्ला जी हैं। उत्तर प्रदेश प्रान्त में संगठन का विस्तार करने तथा निष्ठावान सदस्यों, पत्रकार सम्पादकों को जोड़ने हेतु वरिष्ठता व दीर्घकालीन

अनुभव के आधार पर सुखबीर शर्मा को उत्तर प्रदेश का संयोजक मनोनीत किया गया है। श्री सुखबीर शर्मा प्रदेश अध्यक्ष, महासचिव, उपाध्यक्ष तथा कार्यकारिणी समिति के प्रति पूर्ण उत्तरदायी होंगे। सम्पूर्ण प्रदेश कार्यकारिणी समिति इसके पूर्व घोषित की जा चुकी है। श्री सुखबीर शर्मा अलीगढ़ के वरिष्ठ पत्रकार हैं और निश्चित रूप से संगठन को सक्रिय व सशक्त बनाने में सफलता प्राप्त करेंगे तथा हमारा विश्वास है इनके द्वारा संगठन को एक नई दिशा एवं दशा दोनों मीडिया जगत में सर्वाधिक लोकप्रिय व जनकल्याणकारी बनाने में सफलता प्राप्त होगी। हमारी शुभकामनाएं इनके साथ हैं। सुखबीर शर्मा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा प्रदेश के सभी पदाधिकारी गणों का हार्दिक आभार प्रकट करते हुए कहा कि प्रदेश की कार्यकारिणी समिति के निर्देशन में पत्रकार हितों को दृष्टिगत रखकर समस्याओं का त्वरित निस्तारण का प्रयास करना संगठन की प्राथमिकता होगी। सूचना निदेशक उत्तर प्रदेश से भी संगठन का प्रतिनिधि मंडल शीघ्र मिलेगा और विज्ञापन और मान्यता सहित अनेकों व्याप्त समस्याओं को दूर कराने के गम्भीर, सक्षम प्रयास किये जायेंगे।

एक आदमी 6 जिलों मे कर रहा था नौकरी मचा तहलका, एफआईआर दर्ज

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में एक्स–रे टेक्निशियन भर्ती में बेहद चौंकाने वाला फर्जीवाड़ा सामने आया है। आरोप है कि एक ही नाम पर 6 लोगों ने फर्जी तरीके से अलग अलग जिलों में नियुक्ति हासिल कर ली थी। खुलासे के बाद लखनऊ स्थित वजीरगंज थाने में मुकदमा दर्ज हो गया है। यह भर्ती 2016 में हुई थी। उस समय प्रदेश में अखिलेश यादव की सरकार थी। मामले का खुलासा मामला मानव संपदा पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करने के बाद हुआ है। यह भर्ती अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से 25 मई 2016 को हुई थी। आयोग ने उस समय 403 उम्मीदवारों की सूची जारी की थी। इसमें क्रम संख्या 80 पर अर्पित सिंह पुत्र अनिल कुमार सिंह का नाम शामिल था लेकिन जांच में पाया गया कि इस नाम से छह अलग–अलग व्यक्तियों ने फर्जी और कूटरचित दस्तावेज तैयार कर नियुक्ति हासिल की है। इस मामले में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं लखनऊ की निदेशक पैरामेडिकल डॉ. रंजना खरे की ओर से इस मामले में एफआईआर दर्ज कराई गई है। जांच में पता चला कि आगरा निवासी अर्पित सिंह बलरामपुर, फर्रुखाबाद, रामपुर, बांदा, अमरोहा और शामली में तैनात था। आरोप लगा कि इन सभी ने फर्जी आधार कार्ड और प्रमाण पत्र लगाकर नियुक्तियां पाई और साल 2016 से लगातार वेतन उठाते रहे थे जिससे विभाग को करोड़ों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। फिलहाल इस मामले में 8 सितंबर को वजीरगंज थाने में मुकदमा दर्ज हो गया है। पुलिस ने इस मामले में धारा 419, 420, 467, 468 और 471 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने अपनी जांच भी शुरू कर दी है। सोमवार को सीएम योगी ने नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम के दौरान भर्ती फर्जीवाड़ा को लेकर सपा सरकार पर तगड़ा हमला बोला था। सीएम योगी ने कहा कि एक परिवार के लोग पैसा लेकर भर्ती करते थे। उनके समय की बहुत सारी भर्तियों को सीबीआई को देना पड़ा था। एक व्यक्ति 8–8 जगह नौकरी करके पैसा ले रहा था। जब जांच में सामने आया तब खुलासा हुआ।सीएम योगी ने कहा कि वो भर्ती 2016 की भर्ती है। उसकी जांच करवाई थी, अभी जांच चल रही है।जांच समय पर हो गई तो बहुत सारे महाभारत के रिश्ते बाकी का जीवन जेल में ही बिताने के लिए मजबूर होंगे।

मेयर से नगर निगम सदन में जबरदस्त हॉट–टॉक, विरोध में पार्षदों का धरना

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ नगर निगम मुख्यालय में सदन का आयोजन किया जा रहा है। सदन के शुरुआत से ही पार्षद सभी वार्डों में 40–40 लाख रुपए देने की मांग उठा रहे हैं। इसको लेकर पार्षदों–मेयर में बहस जारी है। भाजपा से इस्तीफा दे चुके पार्षद मुकेश सिंह मोंटी और मेयर में जबरदस्त हॉट टॉक हुई है। मेयर ने कहा– बदतमीजी से बात मत करिए। इसके मोंटी बाद अपनी बात कहकर सदन को छोड़कर चले गए। भाजपा पार्षद रंजीत सिंह धरने पर बैठ गए। इससे सदन कुछ देर के लिए स्थगित रहा। भाजपा पार्षद गिरीश गुप्ता ने कहा इसके पहले सदन के पहले ही प्रश्नों का उत्तर मिल जाता था। आज ऐसा हुआ कि सदन से पहले प्रश्न का उत्तर नहीं मिला। सपा पार्षद सुरेन्द्र वाल्मीकि ने कहा उत्तर नहीं मिलने से पार्षद क्रॉस क्वेश्चन नहीं कर पा रहे हैं।

हाजी अब्दुल कय्यूम मेमोरियल पीजी कॉलेज
मऊआइमा प्रयागराज
(संबद्ध प्रो0 राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय प्रयागराज)

आवश्यकता है - प्राचार्य एवं प्रवक्ताओं की

प्राचार्य- एक पद (15 वर्षों का अनुभव)
परास्नातक विज्ञान संकाय (एम.एस.सी.)- गणित, रसायन विज्ञान, जन्तु विज्ञान (प्रत्येक में दो पद)
बी.एस.सी.- गणित, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान- प्रत्येक में एक पद।
परास्नातक कला संकाय (एम. ए.)- अंग्रेजी साहित्य, उर्दू, समाजशास्त्र, गृह विज्ञान- प्रत्येक में दो पद।
बी.ए.- हिंदी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, राजनीतिक विज्ञान, प्राचीन इतिहास, संस्कृत, शिक्षा शास्त्र, गृह विज्ञान, उर्दू-प्रत्येक में एक पद।
अर्हता संबंधित विषय में यू.जी.सी./नेट/पी.एच.डी./ सी.एस.आई.आर. एवं प्राचार्य हेतु 15 वर्षों के अनुभव के साथ अर्ह अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षिक अनुभव प्रमाण पत्रों तथा एक फोटो के साथ दिनांक 10.10.2025 तक आवेदन करें।

आवेदन भेजने का पता अजफर शोएब अंसारी प्रबंधक
आजमपुर मऊआइमा टाउन एरिया मऊआइमा प्रयागराज 212507
मोबाइल नंबर 9935285895, 7007074454
प्रबंधक हाजी अब्दुल कय्यूम मेमोरियल पीजी कॉलेज प्रयागराज

गंगानाथ झा परिसर में हिमालय दिवस कार्यक्रम एवं हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम शुभारम्भ

प्रयागराज। केन्दीय संस्कृत विश्वविद्यालय गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज में दिनाङ्क 09.09.2025 को गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास (पर्यावरण शिक्षा), भारतीय भाषा अभियान के संयुक्त तत्त्वावधान में हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम का शुभारम्भ एवं हिमालय दिवस के अवसर पर हरित संवाद कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम का शुभारम्भ डॉ. प्रमोद द्विवेदी, अध्यक्ष, नराकास, प्रयागराज एवं राजभाषा समिति के हिन्दी के विषय में चेतना उत्पन्न करने वाले उद्बोधन से हुआ। उन्होंने प्रयागराज के विभिन्न कार्यालयों में हिन्दी के प्रयोग एवं हिन्दी भाषा के प्रति समर्पण का उल्लेख करते हुए हिन्दी के उपयोग को बढ़ाने वाले कार्ययोजना का उल्लेख किया। गंगानाथ झा परिसर के राजेशकान्त तिवारी ने हिन्दी के प्रयोग को परिसर में अधिक उपयोग हेतु कार्ययोजना का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अशोक मेहता, अपर अधिवक्ता, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अपने उद्बोधन में हिमालय एवं पर्यावरण के असन्तुलन पर समीक्षात्मक एवं सारगर्भित विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने पर्यावरण के असन्तुलित दोहन को विनाश का पर्याय बताया। अपने उद्बोधन में उन्होंने माउंट एवरेस्ट पर लगने वाले पर्वतारोहियों के जाम का विशेष उल्लेख करते हुए पर्यावरण से छेड़छाड़ का उदाहरण बताया। उन्होंने पर्यावरण सम्बन्धी विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु वृहद वृक्षारोपण, कूड़े का उचित निस्तारण, प्राकृतिक संसाधनों का संयमित दोहन करने जैसे उपाय बताये। इसके पूर्व कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. अनुपम दीक्षित, वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने हिमालय के विभिन्न अनुभवों का उल्लेख करते हुए समस्त उपस्थित जनों को प्रकृति में आने वाले विभिन्न बदलावों के प्रति सचेत किया। उन्होंने विश्व के समक्ष सबसे बड़ा खतरा जलवायु परिवर्तन को बताया। कार्यक्रम के अन्य विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनीत द्विवेदी, वायुमण्डलीय एवं समुद्र विज्ञान केन्द्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने पेड़ पौधों के बिना जीवन असम्भव बताया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के कारणों की विस्तृत एवं वैज्ञानिक व्याख्या प्रस्तुत की। उन्होंने प्रकृति का अनुभव करने हेतु हिमालय भ्रमण को विशेष उपाय के रूप में व्याख्यायित किया। अपने उद्बोधन में उन्होने ग्लोबल वार्मिंग, बादल फटने एवं प्राकृतिक आपदाओं में वृद्धि का कारण प्रकृति का असन्तुलित दोहन बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में जल संरक्षण, स्वच्छता के उपायो को अपनाने एवं प्रकृति का सम्मान करने वाली जीवन पद्धति अपनाने पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम में उच्च न्यायालय के अनेकों अधिवक्तागण, बुद्धिजीवियों एवं विद्वतजनों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संयोजन गंगानाथ झा परिसर के डॉ. श्याम सुन्दर पाण्डेय एवं श्री राजेश कान्त तिवारी ने संयुक्त रूप से किया। संचालन शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के श्री रामबाबू तिवारी ने किया । समस्त उपस्थित जनों का धन्यावाद ज्ञापन डॉ. श्याम सुन्दर पाण्डेय ने किया। उक्त अवसर पर परिसर के समस्त अधिकारीगण, छात्र–छात्राओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।

रिकवरी एजेंट की सिर कूचकर हत्या, आंखें फोड़ीं

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में 26 साल के रिकवरी एजेंट की ईंट से सिर कूचकर हत्या कर दी गई। उसका खून से लथपथ शव ऑफिस में पड़ा मिला। मंगलवार सुबह महिला सफाईकर्मी ऑफिस पहुंची। देखा तो फर्श पर शव पड़ा हुआ था। भाई का कहना है कि आंखें भी फोड़ दीं। इस तरह मारा कि छत तक खून के छीटें पड़ी थीं। 5 से 6 लोगों ने मिलकर मारा है, उसका मोबाइल भी उठा ले गए हैं। घटना बंथरा थाना क्षेत्र की है। मृतक की पहचान बंथरा के न्यू डेस्टिन सिटी कॉलोनी में रहने वाले कुनाल शुक्ला के रूप में हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। हत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। सबूत को मिटाने के लिए हत्यारों ने ऑफिस में लगे सीसीटीवी को तोड़ डाला, साथ में डीवीआर भी उठा ले गए। मूल रूप से फैजाबाद के धनुआपुर निवासी अशोक शुक्ला फैजाबाद में रोडवेज के चालक हैं। उनका बेटा कुनाल शुक्ला (26) न्यू डेस्टिन सिटी कॉलोनी में मां सुधा और बड़े भाई सौरभ के साथ रहता था। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि सोमवार रात 9 बजे ऑफिस में काम करने वाले सभी लोग घर चले गए। लेकिन कुनाल शुक्ला ऑफिस में ही रुका था। सफाई कर्मी संगम थारू ने बताया मैं मंगलवार सुबह 8 बजे ऑफिस की सफाई करने पहुंची। देखा तो कुनाल का खून से लथपथ शव जमीन पर पड़ा था। फर्श पर काफी खून बिखरा पड़ा हुआ था। मैंने आनन–फानन इसकी सूचना कंपनी मालिक विवेक सिंह को दी। इसके बाद उन्होंनें पुलिस बुलाई। विवेक सिंह ने दादूपुर में स्वास्तिक एसोसिएट नाम से ऑफिस बना रखा है। कुनाल शुक्ला ज्यादातर इसी ऑफिस में रहता था। विवेक सिंह के साथ फाइनेंस की गई गाड़ियों की किस्त न अदा होने वाली गाड़ियों की रिकवरी करता था। विवेक सिंह ने बताया कुनाल कई बार ऑफिस में ही रुक जाता था। यहां वह दरवाजा बंद करके अंदर सोता था। लेकिन आज सुबह जब संगम थारू ऑफिस की सफाई करने पहुंची तो दरवाजा खुला मिला। कुणाल का शव कमरे के अन्दर दीवान पर पड़ा था। उसका मुंह और आंखें कूची गई थीं। फर्श पर काफी खून फैला पड़ा था। इसके अलाव कमरे की छत में भी काफी तादाद में खून की छींटे पड़ी थीं। बड़े भाई सौरभ ने बताया–मेरे भाई को पांच–छह लोगों ने ईंट से कूचकर मारा है। उसकी एक आंख फूट गई थी। सिर पर गहरे घाव थे। ऑफिस के सीसीटीवी टूटे पड़े थे। मेरे भाई का मोबाइल भी गायब था। मां सुधा ने रोते हुए कहा मेरे बेटे को मारने की साजिश पहले से चल रही थी। इसी लिए यह घटना हुई। उसके साथ काम करने वाले लोगों ने उसको मारा है। एडीसीपी दक्षिणी रल्लापल्ली बसंत कुमार ने कहा–जिस ऑफिस में मृतक रहता था, वहां सीसीटीवी कैमरे लगे थे, लेकिन हत्यारे कैमरों को तोड़ ले गए। साथ ही डीवीआर भी उठा ले गए हैं। साक्ष्य जुटाने के लिए फारेंसिक टीम बुलाई गई। ऑफिस के बगल प्लाटिंग के लिए खाली पड़ी जमीन पर खून से सनी लोहे की वस्तु मिली है। इसे कब्जे में लिया गया है।

शक्ति भवन पर किसानों का हल्ला बोल आंदोलन,ट्रैक्टर से पहुंचे किसान

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में भारतीय किसान यूनियन ने हजरतगंज स्थित शक्ति भवन का घेराव किया। बिजली और पानी के मुद्दे को लेकर बड़ी संख्या में किसानों पहुंचे हैं। भारतीय किसान यूनियन (भानु) गुट के लोग शक्ति भवन और

श्रीराम टावर के बीच की रोड को घेर लिया है। प्रदर्शन में शामिल होने के लिए लखनऊ और आसपास के क्षेत्र से बड़ी संख्या में किसान पहुंच रहे हैं। किसान ट्रैक्टर और दूसरी खुली गाड़ियों से पहुंचे हैं। इससे हजरतगंज चौराहा और श्रीराम टावर के बीच में भीषण जाम लग गया है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अन्नू ने कहा कि किसानों के साथ लगातार अन्याय हो रहा है। हमें नलकूप के लिए 15 घंटे बिजली की आवश्यकता है। मगर बिजली विभाग के द्वारा हर 2 घंटे पर कटौती कर दी जाती है। बिजली कटौती से किसान लगातार परेशान है। लाइन मैन कहीं भी किसानों की बात नहीं सुनता है। बिजली न होने से खेतों की सिंचाई नहीं हो पा रही है। बिना पानी के फसलों को कैसे उगाया जाए या संभव नहीं है। प्रदर्शनकारी किसानों ने कहा कि प्रदेश भर में खराब पड़े तमाम ट्रांसफॉर्मर को 24 घंटे में बदला जाए। प्रदेश के किसानों के निजी नलकूप और एग्रीकल्चर फीडर पर कम से कम 15 घंटे बिजली सप्लाई की जाए। प्रदेश भर के किसानों को नलकूप की बिजली मुफ्त उपलब्ध कराई जाए। यह तीन प्रमुख मांगे हैं जिसको लेकर आज घेराव कर रहे हैं। जब तक लिखित में आश्वासन नहीं मिल जाएगा यह प्रदर्शन जारी रहेगा। संगठन के महासचिव रणविजय सिंह ने कहा कि 19 जनपदों से 5000 से अधिक किसान इस आंदोलन में शामिल हो रहे हैं। योगी सरकार ने जो वादे किए थे वह अभी तक पूरे नहीं हुए इसलिए आज किसानों को सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। हमारे ही सत्याग्रह पर बिजली नलकूप मुफ्त हुआ था मगर इसका क्या फायदा जब बिजली ही नहीं आती है। 7 घंटा बिजली आती है और उसमें 20 बार कटौती होती है। हम लोग राशन पानी किस तरह सब बांध के लाए हैं ट्रैक्टर हमारे खड़े हैं हमें किसी बात की चिंता नहीं है। हम लोग सरकार बनाने का काम करते हैं तो सरकार को गिराने की भी क्षमता रखते हैं। आज राजधानी में हम लोगों ने डेरा डाला हुआ है। अब हम लोग यहां से जाने वाले नहीं। किसानों की बिजली के अलावा भी आवारा पशुओं की खाद की तमाम समस्याएं हैं जिनसे हम लोग परेशान हैं। अगर यह मन लिखित में पूरी नहीं हुई तो हम इस सड़क से उठने वाले नहीं हैं। यह सड़क अब हमारा घर है।

दबंग से परेशान युवती, दी सीएम आवास के सामने आत्महत्या की चेतावनी

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में एक युवती और उसके घरवाले दबंगों से परेशान हैं। उनका कहना है कि वे लोग शिकायत करने थाने गए। वहां पुलिस ने उन पर समझौता करने का दबाव बनाया। कहीं सुनवाई न होती देख पीड़ित परिवार की युवती ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर दिया। वीडियो में युवती कहती दिख रही है कि यदि उसे न्याय नहीं मिला, तो वह मुख्यमंत्री आवास के सामने आत्महत्या कर लेगी। आरोप है कि एक दबंग युवक उसे लगातार परेशान कर रहा है, लेकिन मड़ियांव पुलिस ने चार दिनों तक शिकायत करने के बावजूद एफआईआर दर्ज नहीं की। मड़ियांव निवासी अर्चना कुमारी ने बताया कि इलाके का एक लड़का उसको कई दिनों से परेशान कर रहा है। महिला ने वीडियो वायरल कर कहा, अगर किसी लड़की को न्याय चाहिए तो उसे मरना पड़ेगा... और शायद मुझे भी मरना पड़ेगा। पीड़िता के मुताबिक, 4 सितंबर से भोला यादव नाम का युवक लगातार उसके घर आकर उसे जातिसूचक गालियां देता है, अशब्द भाषा का इस्तेमाल करता है और डराता–धमकाता है। विरोध करने पर वह जान से मारने और बदनाम करने की धमकी देता है। अर्चना का आरोप है कि एक दिन आरोपी युवक अपनी मां और एक अज्ञात व्यक्ति के साथ आया, जो खुद को पुलिस का दीवान बता रहा था। तीनों ने जबरन घर में घुसने की कोशिश की, फिर बाहर सड़क पर जातिसूचक गालियां दीं और महिला के चरित्र पर सवाल उठाए। आरोपी ने धमकी दी कि अगर शिकायत की तो अच्छा नहीं होगा। पीड़िता जब शिकायत लेकर मड़ियांव थाने पहुंची तो उसे कहा गया अभी फोर्स नहीं है, 3 बजे बुलाएंगे। लेकिन शाम तक कोई कॉल नहीं आया।

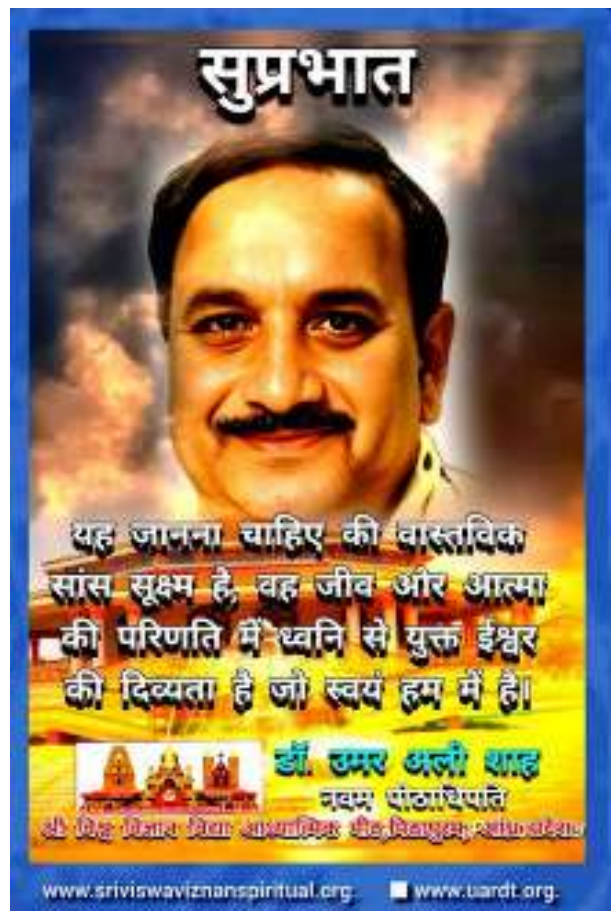

गुलहजारा कहता

(कुण्डलिया)

जिसकी कोमल शाख है, दल के रंग अनेक।
उस पौधे को देखकर, आँखें भावतिरेक।
आँखे भावतिरेक, गुच्छ में पुष्प दिखे जब।
आकर्षित कर फूल, गुलहजारा कहता तब।
सुन लो तनिक प्रदीप, न करना इनकी उनकी।
करते हैं तारीफ़, सुधी जन जग में जिसकी।।

नाजुक नाजुक पंखुरी, कोमल कोमल शाख।
शाखों पर ही फूल का,अद्भुत दिखा फ़राब।
अद्भुत दिखा फ़राब, गुलहजारा का अपना।
फुलवारी के साथ, सजाता है जो अँगना।
सुन लो कहें प्रदीप,बात इसके ही ताल्लुक।
लगे मुलायम गात,मगर कहना मत नाजुक।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

बीएसए–डीआईओएस की तरह होंगे जिला उच्च शिक्षा अधिकारी

लखनऊ, संवाददाता। जिलों में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बीएसए व जिला विद्यालय निरीक्षक डीआईओएस की तर्ज पर जिला उच्च शिक्षा अधिकारी भी बनाए जाने की तैयारी की जा रही है। जिला स्तर पर निजी विश्वविद्यालयों व डिग्री कॉलेजों की जांच की जा सके, इसके लिए तैयारी की जा रही है।यूपी में निजी विश्वविद्यालयों व कॉलेजों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है। ऐसे में भविष्य में प्रभावी शिकंजा कसने पर मंथन किया जा रहा है। अभी प्रदेश में आठ मंडलों में ही क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी आरएचओ कार्यालय हैं। ऐसे में एक–एक क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारियों के पास अपने मंडल के अलावा कई जिलों की जिम्मेदारी है। अब 10 मंडल में आरएचओ कार्यालय खोलने और उसके लिए स्टॉफ की भर्ती प्रक्रिया चल रही है,जिसमें अलीगढ़, आजमगढ़, प्रयागराज, चित्रकूट, देवीपाटन, अयोध्या, बस्ती, विंध्याचल, मुरादाबाद व सहारनपुर मंडल शामिल हैं। अब पर्याप्त सख्ती बढ़ेगी। जिलों में मान्यता से संबंधित जांच और फीस के प्रकरणों को और बेहतर ढंग से सुलझाया जा सके, इसके लिए जिला स्तर तक अधिकारी तैनात करने की तैयारी है। पहले चरण में मंडलों में आरएचओ कार्यालय खोले जाने के बाद आगे दूसरे चरण में जिला स्तर पर जिला उच्च शिक्षा अधिकारी की तैनाती कर इसे और प्रभावी बनाने की तैयारी की जा रही है। अभी 45 निजी विश्वविद्यालय व 7422 निजी डिग्री कॉलेज संचालित किए जा रहे हैं।

आंचलिक विज्ञान नगरी धूमधाम से मना रही अपनी 36वीं वर्षगांठ

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के अलीगंज स्थित आंचलिक विज्ञान नगरी में इन दिनों विज्ञान नगरी का 36वीं वर्षगांठ समारोह का आयोजन किया जा रहा है। सात सितम्बर से बीस सितम्बर तक चलने वाले इस समारोह में विभिन्न वैज्ञानिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। विज्ञान नगरी के परियोजना समन्वयक डा0 स्वरूप मंडल ने इस आषय की जानकारी देते हुये बताया कि 36वी वर्षगांठ के अवसर पर बच्चों के लिये विभिन्न वैज्ञानिक गोष्ठियों, परिचर्चा, फिल्म शो आकाश दर्शन, गैलरियों का भ्रमण आदि का आयोजन किया जाता है। साथ ही जूनियर व सीनियर वर्गों में पोस्टर मेंकिग, एक्जिविट हंट, इन्नोवेटिव हैण्ड जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। जिसके विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जाता है। वर्षगांठ उत्सव का समापन पुरस्कार वितरण के साथ बीस सितम्बर को होगा।

सहकारिता विभाग में होगी 5000 पदों पर भर्ती

यूपी सरकार ने दी अनुमति,रिक्त पदों का ब्यौरा भेजने के निर्देश

लखनऊ, संवाददाता। सहकारिता विभाग में लगभग 5000 पदों पर जल्दी भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी। भर्ती इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सिलेक्शन आइबीपीएस की ऑनलाइन प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से होगी। सरकार ने इसकी अनुमति दे दी है। विभाग ने संस्थाओं को रिक्त पदों का ब्यौरा भेजने के निर्देश दिए हैं। सहकारिता विभाग की संस्थाओं में उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव बैंक, 50 जिला सहकारी बैंक, उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव यूनियन, उ.प्र. राज्य निर्माण सहकारी संघ आदि है।

यूपी टीईटी परीक्षा 29 व 30 जनवरी को

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रयागराज ने यूपी टीईटी समेत तीन प्रमुख परीक्षाओं की तिथि पिछले दिनों जारी की गई थी। यूपी टीईटी का आयोजन 29–30 जनवरी 2026 को प्रस्तावित है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्य किए जाने के बाद यह पहली टीईटी होगी। शासन ने माध्यमिक शिक्षा विभाग को निर्देश दिया है कि इन तिथियों को कॉलेजों में कोई परीक्षा का आयोजन नहीं किया जाए।

सम्पादकीय.....

सुनवाई से अलग होना

हाल के दिनों में देश की घविभिन्न अदालतों में न्यायिक सुनवाई से अलग होने की घटनाओं में लगातार वृद्धि असहज करने वाली ही है। हालांकि, निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिये सुनवाई से अलग होना एक स्थापित सुरक्षा उपाय है, लेकिन जिस तरह इसका इस्तेमाल और संप्रेषण किया जाता है, उसने कई चिंताजनक प्रश्न तो खड़े किए ही जा सकते हैं। देश के राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण यानी एनसीएलएटी के एक प्रकरण, जहां एक सदस्य ने खुलासा किया कि वह एक मामले से खुद को अलग कर रहा है क्योंकि एक उच्च न्यायिक व्यक्ति ने उसे एक पक्ष का पक्ष लेने के लिये संपर्क किया था, ने इस प्रक्रिया में विश्वास को ठेस पहुंचायी है। हाल ही में, शीर्ष अदालत के न्यायाधीश एमएम सुंदरेश ने बिना कोई कारण बताए दलित–अधिकार वकील सुरेंद्र गाडलिंग की जमानत याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था। इससे पहले भी, कर्नाटक उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी कामेश्वर राव ने संस्था से संबंधों का हवाला देते हुए एनएलएसआईयू ट्रांसजेंडर आरक्षण अपील से खुद को अलग कर लिया था। यहां तक कि मुख्य न्यायाधीशों– संजीव खन्ना ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति मामले में और बी.आर.गवई ने एक आंतरिक न्यायिक जांच मामले में खुद को अलग कर लिया था। निस्संदेह, इस तरह की असंगतता पारदर्शिता के बारे में मिले–जुले संकेत देती है। जो जनमानस में इस बाबत नये विमर्श को जन्म देता है। इसमें दो राय नहीं कि इस संबंध में कानून में स्पष्टता की दरकार है। सुनवाई से अलग होने के लिये कोई संहिताबद्ध ढांचा नहीं है।यहां उल्लेखनीय है कि मई 2025 में, सर्वोच्च न्यायालय ने एक समान नियम बनाने की याचिका को यह कह कर खारिज कर दिया था कि सुनवाई से अलग होना व्यक्तिगत विवेक का मामला है। ऐसे मामलों में न्यायिक स्वतंत्रता ऐसी स्वायत्तता की मांग करती है, वहीं अस्पष्टता जनता के विश्वास को कमजोर करती है। निस्संदेह, जनसाधारण की न्यायिक व्यवस्था में आस्था मजबूत करने के लिये न्याय न केवल किया जाना चाहिए, बल्कि होते हुए भी दिखना चाहिए। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में, सुनवाई से अलग होने के मामले केवल न्यायिक मूल्यों के पुनर्कथन और न्यायिक आचरण के बैंगलौर सिद्धांतों जैसी नरम–कानून संहिताओं द्वारा निर्देशित होते हैं। वास्तव में वे कारणों का खुलासा करने का कोई बाध्यकारी दायित्व तय नहीं करते। इसका परिमाण ही असमान व्यवहार है। इस बाबत कुछ न्यायाधीश तो स्पष्टीकरण देते हैं, जबकि कई अन्य ऐसे मामलों में खामोशी धारण कर लेते हैं। निस्संदेह, ऐसी परंपराओं से जन साधारण में अटकलों और न्यायिक प्रक्रिया में देरी को बढ़ावा ही मिलता है। इस दिशा में एक मध्य मार्ग भी संभव है। न्यायालय न्यूनतम प्रकटीकरण मानक अपना सकते हैं। आदेश पत्र पर एक पंक्ति की 'कारण श्रेणी' और एक केंद्रीय सुनवाई रजिस्टर की व्यवस्था की जा सकती है। इस प्रकार से कुछ हल्के–फुल्के सुधार न्यायिक स्वतंत्रता की रक्षा ही करेंगे। सही मायनों में खामोशी, खासकर संवेदनशील मामलों में, अब तटस्थ नहीं रही।

बंगाल चुनाव से पहले सांप्रदायिकता की खुराक

डॉ. दीपक पाचपोर

आखिर में वे फिल्में समाजसेवा के लिए तो बना नहीं रहे हैं, उनका मकसद कमाई करना है जिसमें वे सफल हो रहे हैं। अब सोचना समाज को है कि इसमें उसे क्या नुकसान हो रहा है।

ताशकंद फाइल्स और कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्मों के कारण विवादों में रहने वाले फिल्म निर्माता निर्देशक विवेक अग्निहोत्री अपनी नयी फिल्म बंगाल फाइल्स के कारण फिर चर्चा में हैं। श्री अग्निहोत्री की पहले की फिल्मों की तरह ही ये फिल्म भी वर्तमान की किसी घटना के साथ इतिहास के संदर्भ को जोड़ते हुए आगे बढ़ती है। हर बार की तरह इस बार भी बड़ी मासूमियत के साथ सांप्रदायिकता की नयी खुराक दर्शकों को पिलाने की कोशिश की गई है। हालांकि कुछ वक्त पहले ही इसी तरह की एक और फिल्म उदयपुर फाइल्स को दर्शकों ने नकार दिया था। जबकि उसके निर्माता–निर्देशक ने भी फिल्म के प्रचार में कोई कमी नहीं छोड़ी थी। उदयपुर में कन्हैयालाल नाम के दर्जी की नृशंस हत्या पर फिल्म बनाई गई थी, इसलिए उनके बेटों को सिनेमा हॉल में बिठाकर उनकी रोते हुई तस्वीरें और वीडियो भी सामने आए। लेकिन फिर भी फिल्म नहीं चली। कुछ ऐसा ही हाल बंगाल फाइल्स का भी रहा। पांच सितंबर को जब फिल्म प्रदर्शित हुई तो खास कलेक्शन नहीं आया, लेकिन इसके बाद सोशल मीडिया पर फिल्म के कई दृश्य प्रसारित किए गए और बताया गया कि फलाने दृश्य ने तहलका मचा दिया, ढिकाने दृश्य में गजब का अभिनय है। शायद इसी के कारण सप्ताहांत पर फिल्म की कमाई थोड़ी बढ़ी है। जिस तरह कश्मीर फाइल्स बनाकर विवेक अग्निहोत्री विदेशों में सैर सपाटा करते, रील बनाते दिखाई दिए थे, हो सकता है इस बार का मुनाफा भी उनके जीवन में मौज मस्ती के कुछ और आयाम जोड़ दे। आखिर में वे फिल्में समाजसेवा के लिए तो बना नहीं रहे हैं, उनका मकसद कमाई करना है जिसमें वे सफल हो रहे हैं। अब सोचना समाज को है कि इसमें उसे क्या नुकसान हो रहा है। प.बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं और भाजपा अब तक जिस काम में सफल नहीं हो पाई है, उसे वो इस बार पूरा करना चाहती है। पहले वाममोर्चे की सरकार थी और भाजपा की कमान अटल जी, आडवानी जी के हाथों में थी, तो प.बंगाल में भाजपा को कोई सफलता नहीं मिली। नरेन्द्र मोदी के आने के बाद भाजपा और संघ को यह खुशफहमी हुई कि जिस तरह मोदी लहर पूरे देश में कामयाब रही, प. बंगाल में भी इस पर सवार होकर भाजपा सत्ता तक पहुंच ही जाएगी। लेकिन ममता बनर्जी के कारण यह संभव नहीं हो पाया। पिछले चुनाव में श्री मोदी ने दीदी ओ दीदी कहकर बंगाल की सभ्यता, संस्कृति सबको चुनौती दी थी, शक्तिपूजक इस समाज को एक महिला मुख्यमंत्री और नेता के लिए यह अशोभनीय संबोधन रास नहीं आया। लिहाजा भाजपा हार गई। हालांकि उसकी ताकत में थोड़ा इजाफा हुआ, क्योंकि अघोषित तरीकों से ममता बनर्जी के करीबियों को भाजपा अपने खेमे में न केवल ले आई, बल्कि उन्हें ऊंचा ओहदा भी दे दिया। अब यही लोग ममता बनर्जी को चुनौती दे रहे हैं। इधर भाजपा ने दूसरे तरीके भी अख्तियार करने शुरु कर दिए हैं। एसआईआर को करवाने की तैयारी हो चुकी है, हालांकि ममता बनर्जी ने जिस तरह विधानसभा में वोट चोरी के मुद्दे पर मोदी सरकार को घेरा है, उसके बाद बिहार की तरह बंगाल में खेल करना थोड़ा कठिन हो सकता है। इसलिए अब भाजपा अपने चिर परिचित पैंतरे सांप्रदायिक नफरत पर उतर आई है। बीते कई दिनों से बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा भाजपा ने उठा कर रखा है। हालांकि इसमें पहला सवाल गृहमंत्री अमित शाह से ही होता है कि सीमाओं की सुरक्षा आपकी जिम्मेदारी है, फिर किसी भी राज्य में आप घुसपैठियों के लिए विपक्षी दलों पर उंगली किस तरह उठा सकते हैं। लेकिन ऐसे सवालों से बेपरवाह भाजपा बांग्लादेशी घुसपैठियों के मुद्दे पर कार्रवाई करती जा रही है, जिसमें सबसे ज्यादा असर गरीब तबके के, कामगार अल्पसंख्यकों पर पड़ रहा है। कई जगह तो ऐसे प्रसंग भी आए जिसमें बांग्ला बोलने वालों पर ही शक किया जा रहा है। अब पुलिस प्रशासन की ऐसी क्षुद्र बुद्धि पर तरस खाएं या नाराज हों, जो दूसरे धर्म या भाषाओं को लेकर इतने शक्की हो चुके हैं कि यह भी भूल गए कि बांग्ला इस देश की संविधानसम्मत भाषाओं में से एक है। घुसपैठियों के अलावा दुर्गापूजा को लेकर भी भाजपा का सांप्रदायिक नजरिया सामने आने लगा है। प. बंगाल में दुर्गापूजा धार्मिक से ज्यादा सांस्कृतिक महत्व रखती आई है, क्योंकि सारे धर्मों के लोग इसके आयोजन में एक जैसे उत्साह से हिस्सा लेते हैं। लेकिन अब इसमें भी धर्म का भेदभाव दिखने लगा है। हाल ही में प. बंगाल की उर्दू अकादमी ने कुछ कट्टरपंथियों के दबाव में लोकप्रिय गीतकार जावेद अख्तर का कार्यक्रम रद्द कर दिया। जावेद अख्तर हिंदू और मुस्लिम दोनों तरह के कट्टरपंथियों के लिए एक जैसे विचार रखते हैं, दोनों उनकी नजर में गलत हैं। कुछ मुस्लिम संगठनों ने कहा कि जावेद अख्तर की कुछ टिप्पणियों से समुदाय की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। इसके बाद मुशायरे को स्थगित कर दिया गया। राज्य की तरफ से संचालित अकादमी ने स्थगन के लिए कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया। लेकिन इस घटना से समझा जा सकता है कि राज्य में धार्मिक विभेद कितना गहरा और असरकारी होता जा रहा है। ममता बनर्जी के लिए यह चेतावनी ही है कि वे बंगाल की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को इस तरह नष्ट न होने दें। इस घटना पर अब जावेद अख्तर ने एक्स पर लिखा है कि कोई उन्हें नहीं समझ सकता। उन्होंने लिखा श्नेक आदमी ने मुझे गैर–मुस्लिम समझा और गैर–मुस्लिम यह समझता है कि मैं मुसलमान हूं। शराबी मुझे अल्लाह वाला समझता है और अल्लाह वाला मुझे शराबी समझता है। सुन के इन की बातें मैं हैरान हूं। मैं वह विषय हूं जिसको समझना मुश्किल है। हालांकि कोई मुझे समझना चाहे तो मैं बहुत आसान हूं। जावेद अख्तर की इन बातों पर विचार करना आज जरूरी है, क्योंकि इसी से सांप्रदायिक सद्भाव को संभाल कर रखा जा सकता है। अर्बन नक्सल कहकर आधुनिक और उदार विचार रखने वाले बुद्धिजीवियों का अपमान करने वाले विवेक अग्निहोत्री जैसे लोग चुनावों के वक्त खास विषयों को एक ही नजरिए से प्रस्तुत कर फिल्में बनाते हैं और भाजपा इन्हें बढ़ावा देती है, क्योंकि आखिर में भाजपा को ही इससे फायदा होता है। कोई आश्चर्य नहीं अगर प्रधानमंत्री मोदी अपनी किसी रैली में बंगाल फाइल्स का प्रचार करते या खुद फिल्म देखते दिखाई पड़ जाएं।

कांग्रेस के कुए में है भंग– ऐसा बोले उमंग

प्रवीण गुगनानी

कांग्रेस की सबसे बड़ी समस्या यही है! कांग्रेस पर सदैव ही कोई न कोई वेताल सवार रहता है!! कभी कम्युनिस्ट, कभी टेररिस्ट, कभी नक्सलाइट, कभी अर्बन नक्सलाइट !!! कांग्रेस पर सवार ये वेताल कभी–कभी दिखते भी हैं किंतु अधिकांशतः ये अदृश्य ही रहते हैं। ये वेताल बहुधा ही कांग्रेस के प्रवक्ताओं की भाषा में झलकते भी रहते हैं। अब मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का उदाहरण ही ले लो। उमंग बोले– "हम आदिवासी हैं, हम हिंदू नहीं हैं।" उन्होंने यह भी कहा कि "मैं ये बात कई सालों से कहता आ रहा हूं।" सिंगार ने यह घोर असत्य कहा किंतु उन्होंने एक अपने व्यक्तव्य में एक सत्य भी कहा – "शबरी भी आदिवासी थीं जिन्होंने श्रीराम को बेर खिलाए थे।" अब जब, सकल हिंदू समाज के आराध्य श्रीराम आदिवासी शबरी के झूठे प्रेम उनके संग धरा पर बैठकर सम्मान और प्रेमपूर्वक खा रहे हैं तो भला किसी भी हिंदू के लिए ये जनजातीय बंधु बेगाने, पराये या विधर्मी कैसे हो सकते हैं?! शबरी और शबरी के सभी वंशज सकल हिंदू समाज हेतु वर्णीय, स्वीकरणीय, आदरणीय ही हैं। जनजातीय समाज जिस प्रकार से प्रकृति की, सूर्य की, गाय की, फसल की पूजा करता है वह शैली सकल हिंदू समाज की पूजा पद्धति में नाना प्रकार से परिलक्षित होती है। जनजातीय समाज को नगरीय समाज से तोड़ने का प्रयास एक कथित नगरीय वर्ग (अर्बन

नक्सलाइट्स) का षड्यंत्र ही है। सिंगार का यह कथन उस कथित अर्बन नक्सलाइट्स के षड्यंत्र का भाग ही है जो रावण दहन, महिषासुर, माँ दुर्गा के असुर वध, के नाम पर किया जा रहा है। कांग्रेस के मप्र नेता प्रतिपक्ष का यह षड़यंत्र वैसा ही है, जैसा जनगणना मे जनजातीय बंधु स्वयं को हिंदू न लिखाएँ, ऐसा कहकर किया जा रहा है। वस्तुतः ये सभी षड्यंत्र नगरों मे रहने वाला एक अर्बन नक्सलाईट, विघ्नसंतोषी, देशतोड़क, समाजविभाजक प्रकार का वर्ग कर रहा है। हमारे लगभग सभी कस्बों, ग्रामों, नगरों के प्रारम्भ मे मिलने वाले खेड़ापति मंदिर जनजातीय देव परंपरा का ही एक अंग है। जनजातीय देव जैसे बड़ादेव, बुढ़ादेव, घुटालदेव, भैरमदेव, डोकरादेव, चिकटदेव, लोधादेव, पाटदेव, सियानदेव, ठाकुरदेव आदि देवता आज वनवासी समाज के अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों मे अन्य सभी जाति, समुदाय, वर्गों में भी पूजनीय देव माने जाते हैं। जनजातीय समाज और शेष हिंदू समाज की देवी पूजा तो और भी अधिक परस्पर समान है। घाटमुंडीन देवी, दंतेश्वरी देवी, मावलीदेवी, गोदनामाता, आमादेवी, तैलंगदेवी, कंकाली माता, लोहराजमाता, सातवाहीन माता, लोहड़ीगुड़िन माता, दुलारीमाता, शीतलादई माता, घाटमुंडिन माता, परदेशी माता, हिंगलाजिन माता, बुढ़िमाता, करमकोटिन माता, महिषासुन मर्दिनी, कोट गढ़िन, लालबाई, फूलबाई, सतीमाता, काजली माता, महामाया देवी, परीमाता, अंबामाई, महालया देवी, जलदेवी, समलाया माता, बीजासनी माई, वामका माता, रोझड़ी माता, पीपला माता, बड़माता, आदि देवियां वनवासी क्षेत्रों के साथ–साथ ग्रामों, क़स्बों, उपनगरीय व नगरीय क्षेत्रों मे भी सभी हिंदू समाजों द्वारा प्रमुखता से पूजी जाती है। जनजातीय देव परंपरा का एक भाग ये भी है की ये हनुमानजी, गणेश जी, भेरुबाबा, गोगादेव, सिंगाजी, रामदेवजी आदि के भी पूजक होते गए व इन्हे पूजने के साथ साथ इन्हे अपने प्राकृतिक प्रतीकों मे मिलाते, घोलते चले गए। जनजातीय समाज की विभिन्न जातियों व अंतर्वर्गों ने इन देवताओं को परस्पर बाँट लिया व इन्हें विभिन्न प्रकार के अलग अलग वनीय वृक्षों पर स्थापित करते गए। जिस वनवासी वर्ग के देवता जिस प्रकार के वृक्ष पर निवास करते हैं उस जनजातीय वर्ग के लोग उस वृक्ष को न काटते हैं न काटने देते हैं।

कविता: आखिरकार..... 'परिस्थितियों का दास मैं'

अब चाहें धारण कर लूं,भले खुश–लिबास मैं,
पर जिम्मेदारियां के बोझ से, रहता हूं उदास मैं।।
अब और क्या बयां करू,कैसे दिलाऊं विश्वास मैं,
आखिरकार बनकर रह गया हूं, परिस्थितियों का दास मैं।।

अब चाहें आए जितनी बाधाएं, कर रहा हूं प्रयास मैं,
हर गलती से सीख कर, पुनः कर रहा हूं अभ्यास मैं।
सफल हो जाऊंगा एक दिन, लगा कर बैठा हूं आश मैं,
खत्म होंगे मेरे भी बनवास, लौटूंगा एक दिन अपने निवास मैं।।

कहीं चूक रह गई हो परिश्रम में, तो करूं पूजा,अर्चना और उपवास मैं,
क्या छोड़कर दायित्व सब,अब करूं तीर्थ और कल्पवास मैं।
अर्थशास्त्र,भूगोल पढ़–पढ़ कर, खुद बन गया हूं एक इतिहास मैं,
उपहास कर रही है दुनियां, सबको लग रहा है कर रहा हूं बकवास मैं।।

अब और क्या बयां करू, कैसे दिलाऊं विश्वास मैं.....
आखिरकार बनकर रह गया हूं, परिस्थितियों का दास मैं।।

''आशीष कुमार सैनी''
पुराछात्र–
(इलाहाबाद विश्वविद्यालय)
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश,भारत।

तरक्की के शहर, अकेलेपन के घर

डॉ. सत्यवान सौरभ

महानगरों में लाखों लोग रहते हैं, परंतु अधिकांश अपने पड़ोसियों को भी नहीं पहचानते। एक सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 40 प्रतिशत शहरी भारतीयों ने स्वीकार किया कि वे खुद को अकेला महसूस करते हैं। यह आँकड़ा दिखाता है कि आधुनिक शहरी जीवन ने भले ही हमें भौतिक सुविधाएँ दी हों, परंतु भावनात्मक और सामाजिक रूप से हमें कमजोर किया है। तकनीक ने भी इस अकेलेपन को बढ़ाया है। स्मार्टफोन और सोशल मीडिया पर निर्भरता ने वास्तविक मानवीय बातचीत को सीमित कर दिया है। मेट्रो या बस में सफर करते हुए अक्सर लोग एक–दूसरे से संवाद नहीं करते, बल्कि मोबाइल स्क्रीन में डूबे रहते हैं। शहरीकरण ने भारत के सामाजिक जीवन और मानवीय संबंधों को गहराई से प्रभावित किया है। यह केवल आर्थिक प्रगति का साधन नहीं बल्कि एक ऐसा सामाजिक परिवर्तन भी है जिसने हमारे पारंपरिक रिश्तों, विश्वास और आपसी सहयोग की प्रकृति को बदल दिया है। शहरी जीवन की रफ्तार, अवसरों की विविधता और सेवाओं तक आसान पहुँच ने निश्चित ही नागरिकों को नए विकल्प दिए हैं, परंतु इसके साथ ही यह प्रक्रिया मानवीय संवेदनाओं और सामुदायिक रिश्तों को भी चुनौती देती रही है। शहरों के विस्तार ने लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे अवसरों के करीब लाया। पहले जहाँ ग्रामीण भारत में इन सुविधाओं तक पहुँच कठिन थी, वहीं शहरी क्षेत्रों ने इन्हें आसान बनाया। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे महानगरों में विश्वस्तरीय अस्पताल, विश्वविद्यालय और सांस्कृतिक केंद्र मौजूद हैं। यह स्थान केवल सेवाएँ ही उपलब्ध नहीं कराते, बल्कि ज्ञान और विचारों के आदान–प्रदान के मंच भी बनते हैं। इसी वजह से शहरी जीवन को आधुनिक भारत का इंजन कहा जाता है। यहाँ के निवासी विभिन्न भाषाई, धार्मिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आते हैं, जिससे विविधता का अनुभव होता है और सहिष्णुता की भावना विकसित होती है। साथ ही, शहरी जीवन में सांस्कृतिक समृद्धि और नागरिक चेतना भी प्रबल होती है। कला दीर्घाएँ, पुस्तकालय, रंगमंच, साहित्यिक सभाएँ और जनआंदोलन जैसी गतिविधियाँ शहरों की पहचान रही हैं। चाहे वह कोलकाता की अकादमी ऑफ फाइन आर्ट्स हो या दिल्ली का इंडिया हैबिटेट सेंटरकृये स्थान सामूहिक संवाद और रचनात्मकता को बढ़ावा देते हैं। इसके अतिरिक्त, बेंगलुरु जैसे शहरों में आईटी उद्योग और स्टार्टअप संस्कृति ने पेशेवर सहयोग और नेटवर्किंग की नई संभावनाएँ खोली हैं। नागरिक स्वयं भी संगठित होकर अपने अधिकारों और सुविधाओं के लिए आवाज उठाते हैं। गुरुग्राम की आवासीय कल्याण समितियों द्वारा कचरा प्रबंधन और जलभराव के खिलाफ अभियान इसका उदाहरण हैं। लेकिन इन सब सकारात्मक पहलुओं के बीच शहरीकरण का एक दूसरा चेहरा भी है, जो कहीं अधिक गहन सामाजिक संकट की ओर इशारा करता है। सबसे बड़ी चुनौती है सामुदायिक बंधनों का क्षरण। गाँवों में जहाँ पड़ोसियों और रिश्तेदारों के बीच गहरे संबंध होते हैं, वहीं शहरों में रहने वाले लोग अक्सर अनजानेपन और दूरी का अनुभव करते हैं। गेटेड सोसाइटी और उच्च–आय वर्गीय कॉलोनियों ने सामाजिक जीवन को खंडित कर दिया है। लोग अपने छोटे–से घेरे में सिमट जाते हैं और अन्य के प्रति अविश्वास पनपने लगता है। यह प्रवृत्ति समाज में सामूहिक विश्वास और सहयोग की भावना को कमजोर करती है। शहरी जीवन का दूसरा बड़ा संकट है अकेलापन। भीड़भाड़ और व्यस्तता के बावजूद लोग व्यक्तिगत रूप से अलग–थलग पड़ जाते हैं। महानगरों में लाखों लोग रहते हैं, परंतु अधिकांश अपने पड़ोसियों को भी नहीं पहचानते। एक सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 40 प्रतिशत शहरी भारतीयों ने स्वीकार किया कि वे खुद को अकेला महसूस करते हैं। यह आँकड़ा दिखाता है कि आधुनिक शहरी जीवन ने भले ही हमें भौतिक सुविधाएँ दी हों, परंतु भावनात्मक और सामाजिक रूप से हमें कमजोर किया है। तकनीक ने भी इस अकेलेपन को बढ़ाया है। स्मार्टफोन और सोशल मीडिया पर निर्भरता ने वास्तविक मानवीय बातचीत को सीमित कर दिया है। मेट्रो या बस में सफर करते हुए अक्सर लोग एक–दूसरे से संवाद नहीं करते, बल्कि मोबाइल स्क्रीन में डूबे रहते हैं। यह प्रवृत्ति समाजशास्त्री जॉर्ज सिमेल की उस धारणा को सही साबित करती है जिसमें उन्होंने आधुनिक शहरों को भीड़ में अकेलेपन का प्रतीक कहा था। साथ ही, शहरी जीवन की भीड़–भाड़ और संसाधनों की कमी ने तनाव और संघर्ष को भी जन्म दिया है। पानी, बिजली, यातायात और पार्किंग जैसे मुद्दों पर झगड़े आम हो गए हैं। दिल्ली जैसे शहरों में पार्किंग विवाद कई बार हिंसा तक पहुँच जाते हैं। वाहन प्रदूषण और सड़क दुर्घटनाएँ भी नागरिक जीवन की असुरक्षा को बढ़ाती हैं। पैदल चलने वालों के लिए सुरक्षित स्थान कम होते जा रहे हैं, जिससे साझा सार्वजनिक जीवन घटता जा रहा है। यह कमी सामाजिक पूँजी पर सीधा आघात करती है, क्योंकि खुले और सुरक्षित सार्वजनिक स्थल ही लोगों के बीच संवाद और सहयोग को जन्म देते हैं। इस प्रकार, शहरीकरण ने भारत के सामाजिक पूँजी पर दोतरफा असर डाला है। एक ओर इसने शिक्षा, स्वास्थ्य, विविधता और सांस्कृतिक उन्नति के अवसर दिए, तो दूसरी ओर इसने रिश्तों को सतही, अस्थिर और अविश्वासी बना दिया। आर्थिक विकास की गति में हमने भावनात्मक और सामुदायिक जीवन को पीछे छोड़ दिया। आवश्यक है कि शहरी नियोजन केवल भौतिक ढाँचे तक सीमित न रहे, बल्कि उसमें मानवीय संबंधों की गरिमा और सामुदायिक जीवन की बहाली को भी स्थान मिले। हमें ऐसे सार्वजनिक स्थल चाहिए जहाँ लोग सहजता से मिल सकें और संवाद कर सकें। आवासीय कल्याण समितियों को केवल प्रशासनिक इकाई न मानकर सामाजिक मेलजोल और सामुदायिक उत्सवों का मंच बनाया जाए। शहरों में त्योहारों, मेलों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाए, ताकि लोग एक–दूसरे के करीब आ सकें। साथ ही, सस्ते और समावेशी आवास की नीतियाँ तैयार हों, जिससे वर्ग आधारित विभाजन कम हो सके। भारत का भविष्य निस्संदेह शहरी होगा, परंतु यह भविष्य तभी स्थायी और समृद्ध हो सकता है जब शहरीकरण केवल आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक पूँजी का भी संवाहक बने। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि विकास की दौड़ में रिश्तों का ताना–बाना न टूटे। शहर तभी सच्चे अर्थों में प्रगतिशील बनेंगे जब वे न केवल समृद्धि और अवसर देंगे, बल्कि विश्वास, सहयोग और सामूहिक कल्याण की भावना को भी जीवित रखेंगे।

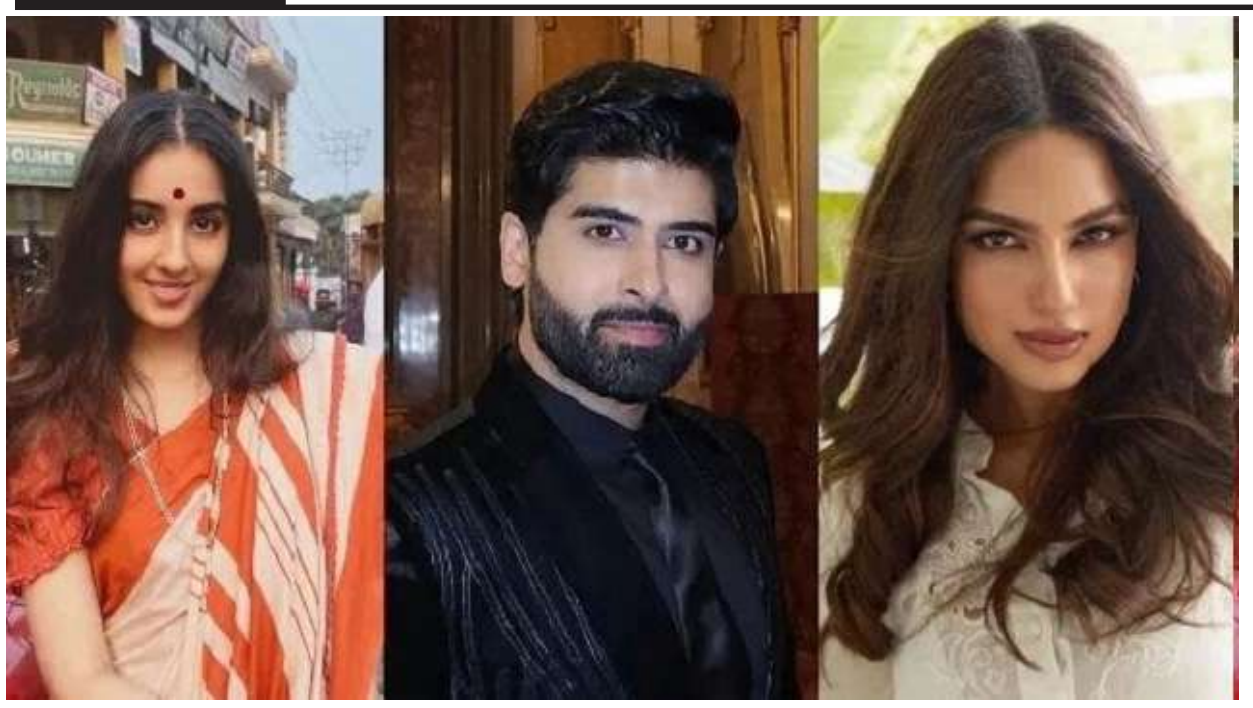

दारसिंग खुराना ने हरनाज संधू और सिमरत कौर की फिल्मों के एक ही दिन रिलीज होने पर अपनी राय दी

> मिस्टर इंडिया इंटरनेशनल का खिताब जीतने के बाद दारसिंग खुराना ने इसी से अपना अभिनय शुरू किया था। हरनाज संधू का भी यह पहला पर्दे पर काम था, जिसके बाद उन्होंने मिस यूनिवर्स २०२१ का ताज जीता। वहीं सिमरत कौर पहले ही साउथ की फिल्मों में काम करके पहचान बना चुकी थीं।

अभिनेता और कॉमनवेल्थ ग्लोबल यूथ एंबेसडर दारसिंग खुराना ने हाल ही में अपने दो पुराने साथियों हरनाज कौर संधू और सिमरत कौर को याद किया। दोनों की नई फिल्में एक ही दिन सिनेमाघरों में आ रही हैं। यह बात उनके लिए यादों और खुशी का पल बन गई।साल 2022 में तीनों कलाकार पहली बार पंजाबी फिल्म बाई जी कुट्टांगे में साथ नजर आए थे। इस फिल्म का निर्देशन स्मीप कांग ने किया था। यह फिल्म तीनों के लिए खास थी। मिस्टर इंडिया इंटरनेशनल का खिताब जीतने के बाद दारसिंग खुराना ने इसी से अपना अभिनय शुरू किया था। हरनाज संधू का भी यह पहला पर्दे पर काम था, जिसके बाद उन्होंने मिस यूनिवर्स 2021 का ताज जीता। वहीं सिमरत कौर पहले ही साउथ की फिल्मों में काम करके पहचान बना चुकी थीं। फिल्म में देव खरौड़, उपासना सिंह और गुरप्रीत घुग्गी जैसे बड़े कलाकार भी थे।इसके बाद तीनों के रास्ते अलग–अलग हो गए। हरनाज अब बॉलीवुड में एंट्री कर रही हैं। वह टाइगर श्रॉफ और सोनम बाजवा के साथ बागी–4 में काम कर रही हैं। दूसरी तरफ सिमरत कौर विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द बंगाल फाइल्स में नजर आएंगी। यह फिल्म पहले से ही चर्चा में है और दर्शक इसका इंतजार कर रहे हैं। दारसिंग खुराना ने इंस्टाग्राम पर लिखा "यह मेरे लिए खुशी और पुरानी यादों का समय है। मैंने हरनाज और सिमरत दोनों के साथ उनके करियर की शुरुआत में काम किया था। आज उन्हें आगे बढ़ते और सफल होते देखना बहुत अच्छा लगता है। मैं दोनों को दिल से शुभकामनाएँ देता हूँ। उनकी मेहनत हमेशा सबको प्रेरित करती रहे। आज जहाँ हरनाज और सिमरत अपनी फिल्मों से लोगों का दिल जीत रही हैं, वहीं दारसिंग खुराना ने फिल्मों से आगे बढ़कर एक नई पहचान बनाई है। वह कॉमनवेल्थ ग्लोबल यूथ एंबेसडर के रूप में दुनिया के युवाओं की आवाज उठा रहे हैं। वह कई देशों में युवाओं से जुड़े मुद्दों और उनके हक की बात कर रहे हैं।

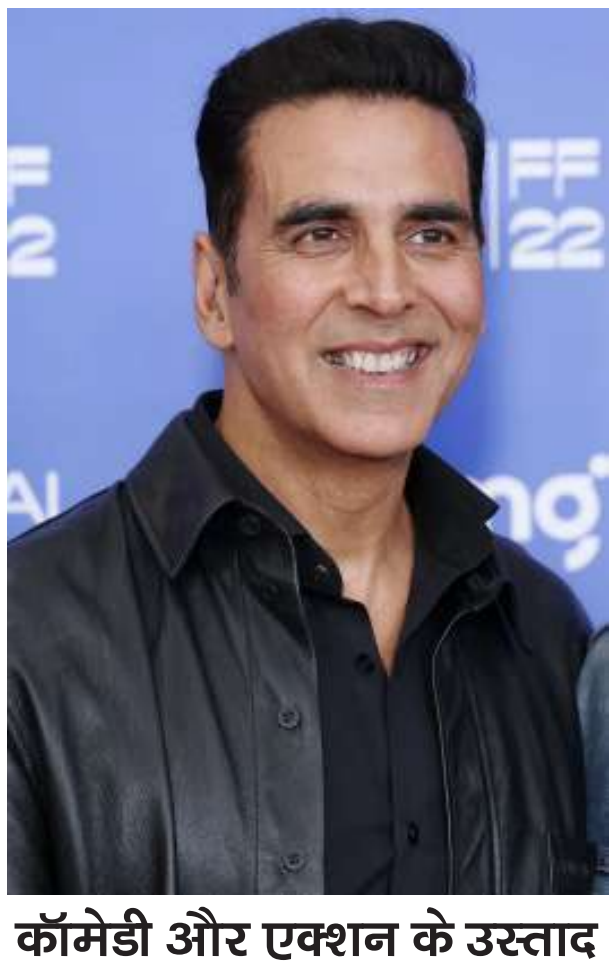

कॉमेडी और एक्शन के उस्ताद हैं अक्षय कुमार, आज मना रहे 58वां जन्मदिन

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार यानी की अक्षय कुमार आज यानी की 09 सितंबर को अपना 58वां जन्मदिन मना रहे हैं। अक्षय कुमार का असली नाम राजीव भाटिया है। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में कई तरह की भूमिकाएं निभाकर इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाई है। पहले अक्षय कुमार ने एक्शन स्टार के रूप में और फिर कॉमेडी फिल्मों में भी हाथ आजमाया। अक्षय कुमार ने सामाजिक संदेशों और देशभक्ति वाली फिल्मों में भी काम किया है। तो आइए जानते हैं उनके बर्थडे के मौके पर अभिनेता अक्षय कुमार के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

पंजाब के अमृसतर में 09 सितंबर 1967 को अक्षय कुमार का जन्म हुआ था। इनका असली नाम राजीव हरि ओम भाटिया है। इडंस्ट्री के लोग अक्षय कुमार को शखिलाड़ी कुमारश कहकर बुलाती है। अब तक अभिनेता करीब 150 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके हैं।

फिल्मी करियर

अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने फिल्मी करियर की शुरूआत साल 1991 में आई फिल्म सौगंध से की थी। लेकिन उनको असली पहचान साल 1992 में आई फिल्म खिलाड़ी से मिली। इसके बाद वह खिलाड़ी सीरीज की फिल्मों की वजह से बॉलीवुड का खिलाड़ी कहलाए जाने लगे। साल 1996 में फिल्म खिलाड़ियों का खिलाड़ी, इंटरनेशनल खिलाड़ी और खिलाड़ी 786 जैसी फिल्मों में अपने एक्शन सीक्वेंस ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया।

फिल्म्स

अभिनेता अक्षय कुमार के अपने फिल्मी करियर में कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया है। जिसमें हेरा फेरी, श्मुझसे शादी करोगी, गरम मसाला, ऐतराज, भूल भुलैया, एयरलिफ्ट, राउडी राठौर, वेलकम, खट्टा मीठा और हाउसफुल 2 जैसी फिल्में शामिल हैं।

मां के नाम विक्रम भट्ट का भावुक पोस्ट, कहा–पता नहीं अच्छा वक्त आएगा भी या नहीं

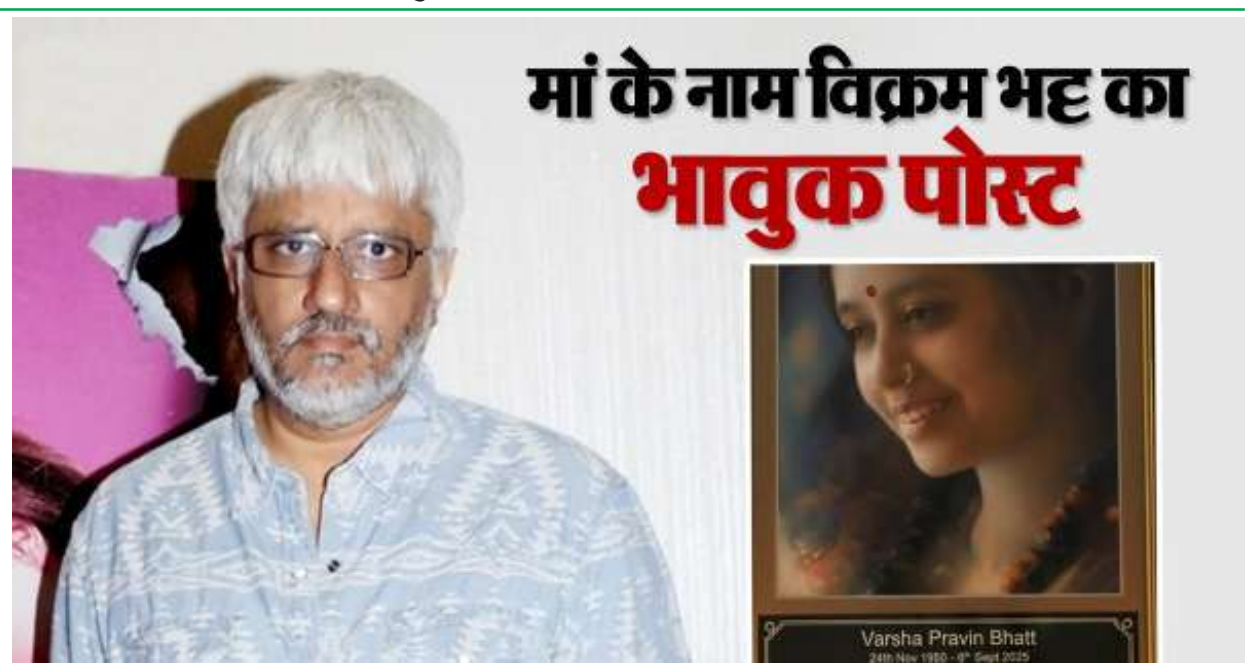

फिल्म निर्माता विक्रम भट्ट की मां वर्षा भट्ट का शनिवार 6 सितंबर को निधन हो गया। लंबे समय से बीमारी से लड़ रही विक्रम भट्ट की मां ने 85 की उम्र में अंतिम सांस ली। विक्रम भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर बताया कि उनकी मां पिछले कुछ महीनों से दर्द में थीं। अब वह बेहतर जगह पर चली गई हैं। विक्रम भट्ट ने एक भावुक नोट में लिखा–दुःख अलग प्रकृति का होता है। शुरुआत में यह ऐसा होता है कि लगता है जैसे एक सिसकी आपके सीने में अटकी हुई है। ऐसा लगता है कि यह सिसकी आपको नहीं छोड़ेगी। फिर धीरे–धीरे सिसकी में विराम आता है। जीवन की नीरसता के बीच राहत का एक क्षण आता है। यह पहले से बेहतर तरीके से आता है। मुझे पता है कि दुःख और नीरसता के बीच अच्छा समय आएगा। कहा जाता है कि समय सभी घावों को भर देता है। हालांकि वह समय अभी मेरे लिए नहीं आया है। मैं सोच रहा हूं कि क्या वह समय कभी आएगा भी या नहीं।विक्रम भट्ट ने उन सभी लोगों का आभार व्यक्त किया जिसने उनके कठिन वक्त में उनका साथ दिया। फिल्म निर्माता ने अपनी मां के लिए प्रार्थना करते हुए अपनी पोस्ट खत्म की। विक्रम भट्ट की मां वर्षा भट्ट जाने–माने सिनेमैटोग्राफर प्रवीण भट्ट की पत्नी थीं। उनका अंतिम संस्कार शनिवार दोपहर 2.00 बजे वर्सोवा श्मशान घाट पर परिवार के करीबी सदस्यों की मौजूदगी में किया गया। विक्रम भट्ट ने निर्देशक मुकुल आनंद की पहली फिल्म श्कानून क्या करेगा में उनके सहायक के रूप में फिल्मी दुनिया में कदम रखा। उस समय उनकी उम्र 14 वर्ष थी। बाद में भट्ट ने कई बेहतरीन फिल्मों का निर्देशन किया। इन फिल्मों में आमिर खान अभिनीत गुलाम भी शामिल है। साल 2008 में विक्रम भट्ट ने हॉरर फिल्में 1920, शापित और हॉन्टेड थ्रीडी बनाईं।

मौत की अफवाहें सुन चौंकी काजल अग्रवाल, कहा–जिंदा हूं और बिल्कुल ठीक, फेक न्यूज न फैलाएं

अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने एक जानलेवा सड़क दुर्घटना में शामिल होने की अफवाहों का सार्वजनिक रूप से खंडन किया है। इंस्टाग्राम पर उन्होंने अपने फॉलोअर्स को आश्वस्त किया कि ये दावे बिल्कुल झूठे हैं और इस स्थिति पर अपनी खुशी भी जताई। यह स्पष्टीकरण उनके सड़क दुर्घटना में शामिल होने की खबरें आने के कुछ घंटों बाद आया। काजल ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर लिखा, मुझे कुछ बेबुनियाद खबरें मिली हैं जिनमें दावा किया गया है कि मेरा एक्सीडेंट हुआ था और अब मैं इस दुनिया में नहीं हूँ। और सच कहूँ तो यह काफी मज़ेदार है क्योंकि यह झूठ है। ईश्वर की कृपा से, मैं आप सभी को आश्वस्त करना चाहती हूँ कि मैं बिल्कुल ठीक हूँ, सुरक्षित हूँ और बहुत अच्छा कर रही हूँ। मैं आपसे विनम्र निवेदन करती हूँ कि ऐसी झूठी खबरों पर विश्वास न करें और न ही फैलाएँ। आइए अपना ध्यान सकारात्मकता और सच्चाई पर केंद्रित रखें।

अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि वह जीवित हैं

काजल अग्रवाल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने प्रशंसकों से इन अफवाहों पर ध्यान न देने का अनुरोध किया। उनके ट्वीट में लिखा था, मुझे कुछ बेबुनियाद खबरें मिली हैं जिनमें दावा किया गया है कि मेरा एक्सीडेंट हुआ था (और अब मैं इस दुनिया में नहीं हूँ!) और सच कहूँ तो, यह काफी मज़ेदार है क्योंकि यह बिल्कुल झूठ है।

अभिनेत्री ने आगे लिखा, ईश्वर की कृपा से, मैं आप सभी को आश्वस्त करना चाहती हूँ कि मैं बिल्कुल ठीक हूँ, सुरक्षित हूँ और बहुत अच्छा कर रही हूँ। मैं आपसे विनम्र निवेदन करती हूँ कि ऐसी झूठी खबरों पर विश्वास न करें और न ही उन्हें प्रसारित करें। आइए अपनी ऊर्जा सकारात्मकता और सच्चाई पर केंद्रित करें। प्यार और कृतज्ञता के साथ, काजल।

काजल अग्रवाल की हालिया फ़िल्में : कन्नप्पा और सिकंदर

वर्कफ़्रंट की बात करें तो, काजल अग्रवाल आखिरी बार विष्णु मांचू की फ़िल्म कन्नप्पा में नज़र आई थीं। इसके अलावा, वह इसी साल सलमान खान की फ़िल्म सिकंदर में भी नज़र आई थीं। अब वह कमल हासन की इंडियन 3 में नज़र आएंगी।

आगामी प्रोजेक्ट्सः इंडियन 3 और रामायण

इसके अलावा, काजल के पौराणिक महाकाव्य पर आधारित नितेश तिवारी की फिल्म रामायण में भी नज़र आने की चर्चा है। कहा जा रहा है कि वह फिल्म में रावण की पत्नी मंदोदरी का किरदार निभाएँगी। हालाँकि, रामायण के कलाकारों के बारे में विस्तृत जानकारी अभी निर्माताओं द्वारा जारी नहीं की गई है।

बेबी शावर पार्टी में प्रेग्नेंट जॉर्जिया हैरिसन का स्टनिंग लुक, क्रॉप टॉप में माम टू बी ने फ्लॉन्ट किया बेबी बंप

लव आइलैंड स्टार जॉर्जिया हैरिसन ने अप्रैल में अपनी प्रेग्नेंसी अनाउंस की थी। उन्होंने बताया था कि वह अपने बॉयफ्रेंड जैक स्टेसी के साथ अपना पहला बच्चा एक्सपेक्ट कर रही हैं। वहीं अब सितंबर महीने में प्रेग्नेंट जॉर्जिया हैरिसन का बेबी शॉवर का आयोजन किया गया।30 वर्षीय पूर्व लव आइलैंडर ने एसेक्स के रेस्तरां मीनोआ में पार्टी की और अपनी मां लुईस और बॉयफ्रेंड जैक स्टेसी के साथ इस जश्न का आनंद लिया। लुक की बात करें तो उन्होंने शॉर्ट–स्लीव क्रॉप टॉप और फ्लोर–लेंथ स्कर्ट पहना जिसे उन्होंने पॉइंटेड व्हाइट हील्स के साथ पेयर किया। उन्होंने अपने लुक को हार्ट–शेप सनग्लासेस, गोल्ड बैंगल्स और एक छोटे बॉक्स बैग से एक्सेसराइज किया। यह खुशहाल कपल अपनी नई खुशी का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। तस्वीरों में कपल को प्यार से बेबी बंप थामें और एक–दूसरे को बाहों में भरते हुए देखा जा सकता है।

सौतेली माँ प्रिया पर धोखाधड़ी का आरोप, करिश्मा कपूर के बच्चों ने पिता की वसीयत पर उठाए सवाल

अभिनेत्री करिश्मा कपूर के दोनों बच्चों ने अपने दिवंगत पिता संजय कपूर की संपत्ति में हिस्सेदारी के लिए मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया। इस अर्जी पर 10 सितंबर को सुनवाई होने की संभावना है। इसमें संजय कपूर की वसीयत को चुनौती दी गई है। अर्जी में दावा किया गया है कि न तो संजय कपूर ने वसीयत के बारे में उल्लेख किया और न ही उनकी सौतेली मां प्रिया कपूर या किसी अन्य व्यक्ति ने कभी इसके अस्तित्व के बारे में उल्लेख किया। इसमें आरोप लगाया गया है कि प्रिया का आचरण यह दर्शाता है कि ''कथित वसीयत बिना किसी संदेह के उनके द्वारा तैयार की गई है। इसके अलावा, करिश्मा कपूर के बच्चों ने अदालत से यह भी अनुरोध किया कि जब तक यह मामला सुलझ नहीं जाता, तब तक प्रिया सचदेव को वसीयत निष्पादित करने से रोका जाए। 12 जून, 2025 को लंदन में संजय कपूर के निधन के बाद, 30,000 करोड़ रुपये के उत्तराधिकार विवाद को लेकर नए घटनाक्रम सामने आए हैं। कुछ दिन पहले, दैनिक जागरण की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि करिश्मा अपने पूर्व पति की संपत्ति में हिस्सेदारी का दावा करने के लिए कानूनी विकल्प तलाश रही हैं। संपत्ति को लेकर चल रही बातचीत में एक और मोड़ तब आया जब संजय की तीसरी पत्नी प्रिया सचदेव की बेटी सफीरा ने कथित तौर पर अपना उपनाम श्चटवालश हटाकर श्कपूरश अपना लिया है। उद्योग जगत के जानकारों का मानना घ्है कि यह बदलाव केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि एक रणनीतिक कदम हो सकता है, जिसका उद्देश्य संभवतः विरासत में अपनी हिस्सेदारी को मज़बूत करना है। हाल ही में, संजय की बहन मंधीरा कपूर ने भी दावा किया कि उनकी माँ को कपूर की पत्नी प्रिया सचदेव सहित कई लोगों ने कानूनी कागज़ों पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया था। घ्वे हमें कौन से कागज़ नहीं दिखा रहे हैं जिन पर उन्होंने इन 13 दिनों की अवधि में हस्ताक्षर करवाए हैं, जब से उन्होंने कार्यभार संभाला है? मेरी माँ को बंद दरवाज़ों के पीछे कागज़ों पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया। और यह एक बार नहीं, बल्कि दो बार हुआ,ष उन्होंने रिपब्लिक को बताया और फिर आगे कहा, ष्मैं दरवाज़ा खटखटा रही थी। वह शोक मना रही थीं। मंदिरा ने आगे कहा, ष्दरअसल, वहाँ दो दरवाज़े थे–एक अंदर और एक बाहर।

फेस स्किन को ग्लो देंगे ये अमेजिंग फेस टोनर, एजिंग इफेक्ट को कर देंगे स्लो डाउन

फेस सीरम हमारे चेहरे को न्यूट्रिशन देकर त्वचा को खराब होने से बचाने में मदद करता है। हालांकि फेस को रिफ्रेश करने के लिए सैलून जाकर महंगे ट्रीटमेंट लेते हैं। लेकिन अब मार्केट में कई ऐसे फेस टोनर मिलती हैं, जो मिनटों में आपके फेस को जरूरी न्यूट्रिशन दे सकते हैं। यह टोनर आपकी त्वचा को हाइड्रेट रखते हैं और बदलते मौसम के कारण खराब नहीं होते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बेस्ट क्वालिटी के फेस टोनर के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही यह आपकी स्किन के लिए परफेक्ट हैं। Vilvah Store का मिल्क ड्रॉप सीरम स्किन पोर्स को कम करता है। जो त्वचा तो हाइड्रेट रखता है और पीएच लेवल बैलेंस कर फेस ऑयल को सोख लेता है। इसमें राइस मिल्क इस्तेमाल किया जाता है। इस टोनर में अर्थ मरीन वाटर और मरीन एल्गी एक्सट्रैक्ट का इस्तेमाल किया गया है और अल्फा अर्ब्यूटिन डार्क स्पॉट को खत्म करता है। जिससे फेस का कॉम्प्लेक्शन सुधरता है। इसको रेगुलर इस्तेमाल करने से फेस की झाइंया हटाने में मदद मिलती है। यह फेस टोनर स्प्रे फॉर्म में आता है। Forest Essentials का फेस टोनर त्वचा को रिफ्रेश करता है और पोर्स को टाइट करता है। जिससे चेहरे की डलनेस दूर होती है। यह अल्कोहल फ्री टोनर है। जो ऑयली स्किन और एक्ने प्रो त्वचा के लिए बेस्ट माना जाता है। यह टोनर ब्लैकहेड्स और व्हाइट हेड्स को हटाने का काम करता है। इस फेस टोनर को रोजाना इस्तेमाल करने से फेस पर निखार आता है। Bio-essence का ये 24K Rose Gold Face Toner है। यह फेस के लिए नियासिनअमाइड, जापानी रोज एक्सट्रैक्ट और ह्याल्यूरोनिक एसिड से भरपूर है। यह सभी तरह की स्किन के लिए परफेक्ट होता है। यह टोनर पोर्स को टाइट कर फेस की टोनिंग करता है। इसमें एंटी एजिंग क्वालिटी भी होती है। यह आपकी त्वचा को लंबे समय तक मॉइश्चराइज करता है। इस टोनर के रेगुलर से त्वचा की सेल्स की ऑक्सीजन सोखने की क्षमता 40 फीसदी बढ़ जाती है, जिससे आपका फेस ग्लो करता है। यह फेस टोनर राइस और सेरामाइड मॉइश्चराइजर से भरपूर होता है। यह सभी तरह की त्वचा के लिए फायदेमंद होता है। यह आपकी त्वचा को ग्लोइंग बनाता है और हाइड्रेट रखता है। इसमें राइस एक्सट्रैक्ट के साथ राइन ब्रान आयल इस्तेमाल किया जाता है। यह आपके चेहरे को नॉन स्टकी मॉइश्चर और न्यूट्रिएंट देता है। जिससे आपका फेस सॉफ्ट लगता है। बता दें कि यह फेस टोनर फेस फ्रेंडली होने के साथ एएचए और बीएचए से तैयार किया जाता है। इस फेट टोनर में एलनटोइन एक्टिव इंग्रीडिएंट शामिल है। यह आपके फेस को मॉइश्चराइज करता है और फेस पर नेचुरल टोनिंग लाता है। यह नॉर्मल स्किन के अलावा अन्य तरह की स्किन के लिए भी परफेक्ट होता है। यह टोनर पोर्स को क्लियर करता है और त्वचा के टेक्सचर को सॉफ्ट बनाता है।

छोटे पैरों पर बेहद खूबसूरत लगेंगे बिछिया के ये नए डिजाइंस, आप भी करें ट्राई

बिछिया पहनने से आपके पैर खूबसूरत लगें, इसके लिए आपको पैरों के शेप को समझना बेहद जरूरी है। अधिकतर बिछिया में चांदी की डिजाइंस को ज्यादा पसंद किया जाता है। हम आपको छोटे पैरों की बिछिया के नए डिजाइंस के बारे में बताने जा रहे हैं। सभी महिलाएं चाहती हैं कि उनके पैर खूबसूरत नजर आएं। इसके लिए अधिकतर विवाहित महिलाएं पैरों में बिछिया पहनना पसंद करती हैं। वहीं मार्केट में आपको कई सारे डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। लेकिन बिछिया पहनने से आपके पैर खूबसूरत लगें, इसके लिए आपको पैरों के शेप को समझना बेहद जरूरी है।

अधिकतर बिछिया में चांदी की डिजाइंस को ज्यादा पसंद किया जाता है। ऐसे में हम आपको इस आर्टिकल के जरिए छोटे पैरों के बिछिया के नए डिजाइंस के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही इनको स्टाइल करने के आसान टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

मॉडर्न डिजाइन बिछिया

अगर आपके पैर छोटे हैं, तो थोड़े स्टाइलिश डिजाइन वाली बिछिया पहन सकती हैं। सिंपल चांदी के डिजाइन वाली बिछिया बेस्ट रहेंगी। यह बिछिया पूरी उंगली को आसानी से कवर कर लेती है। हालांकि इस तरह की बिछिया पहनें तो पैरों के नाखून ज्यादा न बढ़ाएं। आप इस तरह की बिछिया को न सिर्फ ट्रेडिशनल, वेस्टर्न और इंडो वेस्टर्न लुक के साथ स्टाइल कर सकती हैं।

स्टोन डिजाइन बिछिया

फैंसी डिजाइन वाली बिछिया में आप फ्लोरल और स्टोन वाली बिछिया पहन सकती हैं। स्टोन में आपको कई तरह के डिजाइन देखने को मिल जाएंगे। स्टोन में सबसे ज्यादा मैरून और ग्रीन कलर सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। हर तरह के पैरों में इस तरह की बिछिया अच्छी लगती हैं।

सिंपल चांदी की बिछिया

अगर आप सिंपल डिजाइन वाली बिछिया पहनना पसंद करती हैं, तो आप फूल और अन्य इसी तरह की बिछिया ले सकती हैं। इसमें आपको छोटे या फिर मीडियम डिजाइन देखने को मिल जाएंगे। फैंसी लुक पाने के लिए आप 2–3 उंगलियों में चांदी की बिछिया पहन सकती हैं। यह बिछिया बेस्ट लुक देने में मदद करती है।

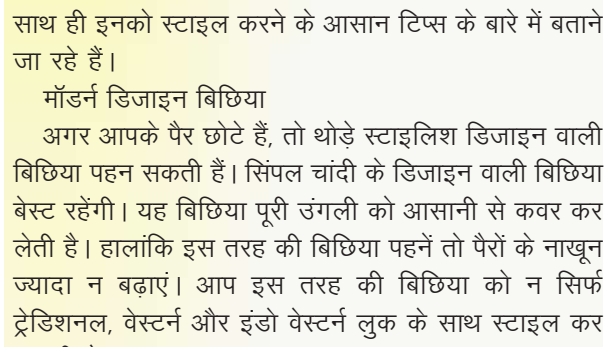

विटामिन बी12 की कमी से शरीर एकदम सूखकर लकड़ी हो गया है, आज ही इन फूड्स का सेवन करें

विटामिन बी12 शरीर के लिए सबसे जरुरी पोषक तत्व है। विटामिन बी 12 शरीर में कई मुख्य कार्य करता है जैसे कि रेड ब्लड सेल्स का निर्माण, नर्वस सिस्टम को हेल्दी रखना और डीएनए का निर्माण करने में मदद। आइए जानते हैं विटामिन बी12 की कमी को दूर करने के लिए किन फूड्स का सेवन करना चाहिए। अगर शरीर को जरुरी पोषक तत्व न मिले तो शरीर एकदम से सुखने लगता है। विटामिन बी12 हमारी बॉडी के लिए आवश्यक पोषक तत्व है, जो शारीरिक स्वास्थ्य के साथ–साथ मानसिक हेल्थ के लिए भी आवश्यक है। वहीं, आपके शरीर मे विटामिन बी12 कमी हुई तो यह नर्वस सिस्टम और ब्रेन फंक्शन में गिरावट हो सकती है। जिसके चलते आपको कमजोरी, थकान, मेमोरी लॉस और डिप्रेशन जैसे लक्षण उत्पन्न हो सकते हैं। विटामिन बी12 की कमी का खतरा सबसे ज्यादा शाकाहारी होता है। वो इसलिए यह विटामिन आमतौर पर पशु के उत्पादों में पाया जाता है। लेकिन आप शाकाहारी फूड्स का सेवन करने से विटामिन बी12 की कमी से बच सकते हैं।

दही

रोजाना आप सही मात्रा में दही का सेवन करते हैं, तो आप शाकाहारियों के लिए इस विटामिन बी12 खाद्य पदार्थ से अपनी जरुरतों को पूरा कर सकते हैं। आप चाहे तो लस्सी भी पी सकते हैं।

स्विस पनीर

शाकाहारियों वालों के लिए विटामिन बी12 की कमी से बचने के लिए अपनी डाइट में स्विस पनीर एड कर सकते है। विशेष तौर पर स्विस पनीर खाने से कई फायदा मिलता है। स्विस पनीर 50 ग्राम में लगभग 1.5 एमसीजी विटामिन बी12 प्रदान करता है।

पनीर

अगर आप विटाविन बी12 की कमी दूर करना चाहते हैं, तो आप रोजाना पनीर खाएं। पनीर खाने से कम से कम 20प्रतिशत विटामिन बी12 प्रदान करता है। उदाहरण के लिए, अगर आप 100 ग्राम पनीर में लगभग 0.8 MCG विटामिन बी12 होता है। यह एक वयस्क के रुप में आपको जितनी मात्रा की जरुरत होगी उसका एक तिहाई है।

हरिद्वार से एकदम नजदीक है ये हिल स्टेशन, किसी जन्नत से कम नहीं है

अगर आप भी कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं तो यह लेख आपके लिए है। हरिद्वार से एकदम नजदीक है यह हिल स्टेशन। महज 2 घंटे में आप यहां पहुंच सकते है। अगर आप हरिद्वार जा रहे हैं तो आप इस हिल स्टेशन को जरुर एक्सप्लोर करें। सितंबर से लेकर नवंबर महीने तक पहाड़ों पर घूमने का अलग ही मजा आता है।

जब भी घूमने की बात आती है तो पहाड़ लवर हमेशा पहाड़ों पर घूमने का प्लान बनाते हैं। सितंबर से लेकर नवंबर महीने तक पहाड़ों पर घूमने का अलग ही मजा आता है। अगर आप देवभूमि हरिद्वार जा रहे हैं तो सबसे पहले इन हिल स्टेशन पर छुट्टियां बिताने जरुर जाएं। आइए इस लेख में जानते हैं हरिद्वार के नजदीक हिल स्टेशंस के बारे में। यहां का सुंदर नजारा देख आपको लगेगा की आप स्वर्ग में उतर आए है।

मसूरी

यह हिल स्टेशन हरिद्वार से मात्र दो से ढाई किलोमीटर दूरी पर स्थित है। इस हिल स्टेशन पर जाने के बाद आप काफी सुकून महसूस करेंगे। मसूरी को क्वीन ऑफ हील्स के नाम से जाना जाता है। सितंबर से लेकर दिसबंर तक यहां घूमने का एक अलग ही मजा है। यहां आप भट्टा वाटरफॉल, मॉल रोड और कंपनी गर्डन घूम सकते है।

ऋषिकेश

हरिद्वार के एकदम नजदीक है ऋषिकेश। यहां आप दो घंटे में पहुंच जाएंगे। ऋषिकेश को योग नगरी के नाम से जाना जाता है। यह जगह काफी खूबसूरत है और सबसे बेस्ट हिल स्टेशन माना जाता है। यहां आप त्रिवेणी घाट, राम झूला, लक्ष्मण झूला, और कई सारे आश्रम देख सकते हैं। ऋषिकेश रिवर राफ्टिंग, बंजी जपिंग और एडवेंचर के लिए जाना जाता है।

लैंसडाउन

आपको बता दें कि, हरिद्वार से लैंसडाउन बस 108 किमी दूरी पर स्थित है। लैंसडाउन अपनी खूबसूरत प्राकृतिक वादियों और शांत वातावरण के लिए सबसे लोकप्रिय है। यहां लोग दूर–दूर से अपना समय बिताने आते हैं।

डेंगू होने पर शरीर में दिखते हैं ऐसे लक्षण, जानिए बचाव के तरीके

डेंगू के लक्षणों में सिरदर्द, थकान, मांसपेशियों में दर्द, तेज बुखार और त्वचा पर चकत्ते आदि के लक्षण नजर आते हैं। डेंगू की शुरूआत में त्वचा प्रभावित होने लगती है। वहीं डेंगू के लक्षण लिवर, रक्त प्रणाली और स्किन पर दिखते हैं।

डेंगू का बुखार एक ऐसी बीमारी है, जो मच्छरों के काटने से होता है। यह बीमारी एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। इस बुखार को हड्डी तोड़ बुखार भी कहते हैं। एडीज मच्छर के काटने के 1–2 सप्ताह के अंदर ही इसके लक्षणों का पता लगाया जा सकता है। डेंगू के लक्षणों में सिरदर्द, थकान, मांसपेशियों में दर्द, तेज बुखार और त्वचा पर चकत्ते आदि के लक्षण नजर आते हैं। डेंगू की शुरूआत में त्वचा प्रभावित होने लगती है। वहीं डेंगू के लक्षण लिवर, रक्त प्रणाली और स्किन पर दिखते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि डेंगू से शरीर का कौन–सा अंग प्रभावित होता है।

डेंगू से प्रभावित होने वाले अंग

त्वचा

डेंगू होने पर स्किन सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकती है। क्योंकि ऐसा होने पर आपकी स्किन पर लाल चकत्ते नजर आने लगते हैं। लाल चकत्ते या रैशेज होना डेंगू के आम लक्षण हैं। ऐसे में आपको खुजली और जलन की समस्या हो सकती है। ऐसे में इस लक्षण को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

रक्त प्रणाली

डेंगू होने पर रक्त प्रणाली भी प्रभावित हो सकती है। क्योंकि डेंगू का बुखार आने पर प्लेटलेट्स बहुत तेजी से गिरने लगती हैं। जिससे हैमरेजिक फीवर का खतरा बढ़ जाता है। वहीं प्लेटलेट्स की कमी के कारण रक्तस्त्राव भी हो सकता है। इसलिए डेंगू होने पर अपनी डाइट में नारियल तेल और कीवी जरूर शामिल करें। इससे प्लेटलेट्स बढ़ती हैं।

लिवर

डेंगू आपके लिवर को बुरी तरह से प्रभावित कर सकता है। कुछ मामलों में डेंगू के कारण लिवर पर भी असर पड़ सकता है। इसस लिवर की कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है।

डेंगू से बचाव के उपाय

डेंगू से बचाव के लिए खुद को मच्छरों से बचाना जरूरी होता है।

मच्छरों से बचाव के लिए फुल स्लीव्स के कपड़े पहनने चाहिए।

घर के दरवाओं और खिड़कियों पर जाली लगाएं। जिससे मच्छर अंदर न आ सकें।

सोने के दौरान मच्छरदानी का इस्तेमाल करें।

इसके अलावा अपनी डाइट का खास ख्याल रखें और डाइट में विटामिन सी से भरपूर खाद्य पदार्थ जरूर शामिल करें।

संक्षिप्त

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार; सेंसेक्स 314 अंक चढ़ा, निफ्टी में भी उछाल

नई दिल्ली। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 314.02 अंक या 0.39 प्रतिशत उछलकर 81,101.32 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 95.45 अंक या 0.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,868.60 पर आ गया। आईटी शेयरों में तेजी और इस महीने के अंत में अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के बीच मंगलवार को प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स 314 अंक चढ़ गया और निफ्टी 24,800 से ऊपर बंद हुआ। लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 314.02 अंक या 0.39 प्रतिशत चढ़कर 81,101.32 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 394.07 अंक या 0.48 प्रतिशत बढ़कर 81,181.37 अंक पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 95.45 अंक या 0.39 प्रतिशत बढ़कर 24,868.60 अंक पर पहुंच गया, जो लगातार पांचवें दिन बढ़त दर्ज की गई। सेंसेक्स की कंपनियों में इंफोसिस में 5.03 प्रतिशत की तेजी आई, क्योंकि भारत की दूसरी सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी ने कहा कि उसका बोर्ड 11 सितंबर को इक्विटी शेयरों की पुनर्खरीद के प्रस्ताव पर विचार करेगा। टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और बजाज फिनसर्व भी लाभ में रहे। हालांकि, ट्रेंट, इटर्नल, अल्ट्राटेक सीमेंट और एनटीपीसी पिछड़ने वालों में शामिल रहे। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजारों में मिला–जुला रुख रहा। सोमवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। लाइवलॉन्ग वेल्थ के शोध विश्लेषक और संस्थापक हरिप्रसाद के ने कहा, इंफोसिस की 11 सितंबर को शेयर बायबैक पर विचार करने की घोषणा के बाद आईटी शेयरों में मजबूती से मंगलवार को बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। इस खबर से सेक्टर की धारणा में सुधार हुआ। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 2,170.35 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,014.30 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.80 प्रतिशत बढ़कर 66.55 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। सोमवार को सेंसेक्स 76.54 अंक या 0.09 प्रतिशत बढ़कर 80,787.30 पर बंद हुआ और निफ्टी 32.15 अंक या 0.13 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 24,773.15 पर बंद हुआ।

बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में दिल्ली और मध्य प्रदेश में छापेमारी, 273 करोड़ रुपये की राशि गबन करने का आरोप

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 273 करोड़ रुपये के कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले से जुड़ी धन शोधन जांच के तहत मंगलवार को दिल्ली और मध्य प्रदेश में छापेमारी की। एरा हाउसिंग एंड डेवलपर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (ईएचडीएल) नामक कंपनी और उसके प्रमोटरों के खिलाफ मामले में संघीय जांच एजेंसी के दिल्ली क्षेत्र द्वारा भोपाल स्थित एक परिसर सहित कुल दस परिसरों की जांच की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की जा रही है। ईडी की जांच सीबीआई की ओर से दर्ज की गई एफआईआर से शुरू हुई है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कंपनी और उसके प्रमोटरों/निदेशकों ने भारतीय औद्योगिक वित्त निगम (आईएफसीआई) द्वारा प्रदान किए गए 273 करोड़ रुपये के ऋण को ष्बनष् कर लिया। ईडी सूत्रों ने आरोप लगाया कि ऋण राशि को ईएचडीएल की कुछ संबंधित संस्थाओं को हस्तांतरित कर दिया गया, जो किसी भी वास्तविक व्यवसाय में संलग्न नहीं थीं।

भारतीय बाजार की ओर आकर्षित हो रही जापानी कंपनियां, स्टील के उत्पादन और खपत को देखकर खोज रहे अवसर

नई दिल्ली। स्टील के बढ़ते घरेलू उत्पादन और खपत के कारण जापानी कंपनियां भारत में अपने कारोबार का विस्तार करने के लिए आकर्षित हो रही है। राजधानी दिल्ली में आईएसए स्टली कॉन्कलेव के अवसर पर जापान आयरन एंड स्टली फेडरेशन के प्रतिनिधि काजुओ माइक फुजिसावा ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत में स्टील उत्पादन में वृद्धि

दर ऊंची है और इसकी जनसंख्या भी बढ़ रही है, इसलिए प्रति व्यक्ति स्टील की खपत भी ऊंची है। फुजिसावा ने कहा कि हमारे पास कुछ संयुक्त उद्यम हैं। जेएफई की जेएसडब्ल्यू स्टील में बड़ी हिस्सेदारी है। जापान की जेएफई स्टील कॉर्पोरेशन (जेएफई स्टील) और जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड (जेएसडब्ल्यू स्टील) के बीच नवीनतम संयुक्त उद्यम एक साल पहले स्थापित हुआ था और अब इसका विस्तार हो रहा है। भविष्य में नए उद्यमों की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। जेएफई और जेएसडब्ल्यू स्टील ने भारत में अनाज–उन्मुख विद्युत स्टील के लिए एक संयुक्त उद्यम कंपनी जेएसडब्ल्यू जेएफई इलेक्ट्रिकल स्टील प्राइवेट लिमिटेड (वैधानिक अनुमोदन के अधीन) की स्थापना की थी और 12 फरवरी, 2024 को भारत के कर्नाटक के बेल्लारी में एक ग्राउंडब्रेकिंग समारोह आयोजित किया था, जहां नई सुविधा विकसित करने का प्रस्ताव है। संयुक्त उद्यम का लक्ष्य वित्त वर्ष 2027 में पूर्ण उत्पादन शुरू करना व भारत में अनाज–उन्मुख विद्युत स्टील के बढ़ते बाजार के अनुरूप उत्पादन का विस्तार करना था।

हताश होकर नाइटक्लब में बैठा था, तभी..., 2011 में माल्या–कुंबले के कॉल ने बदली क्रिस गेल की जिंदगी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज और आईपीएल के महान खिलाड़ियों में शुमार क्रिस गेल ने हाल ही में खुलासा किया कि उन्हें 2011 में रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (त्ब्ठ) ने किस तरह टीम में शामिल किया था। उस पल ने न केवल गेल का करियर बदल दिया बल्कि आईपीएल के इतिहास में भी नई कहानी लिख दी। गेल ने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत 2009 में कोलकाता नाइट राइडर्स से की थी। दो सीजन खेलने के बाद फ्रेंचाइजी ने उन्हें रिलीज कर दिया और 2011 की नीलामी में वह अनसोल्ड रह गए। हालांकि, किस्मत ने उनके लिए कुछ और ही तय कर रखा था। आईपीएल 2011 के बीच सीजन में RCB के तेज गेंदबाज डिर्क नैनिस चोटिल होकर बाहर हो गए और टीम को एक विकल्प की तलाश थी। तभी RCB की नजर गेल पर गई। एक पॉडकास्ट पर बातचीत के दौरान गेल ने उस यादगार पल का जिक्र किया। उन्होंने कहा, '2011, जब मुझे कॉल आया, मैं जमैका में एक नाइटक्लब में था। वेस्टइंडीज क्रिकेट के साथ जो भी विवाद हुआ था, जिसकी वजह से मुझे पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए भी नहीं चुना गया था। वर्ल्ड कप हारकर आया था और चोटिल भी था। बहुत निराश था। लंबी कहानी को छोटा करूं तो, मैं उस वक्त नाइटक्लब में था और क्रिकेट भी नहीं खेल रहा था। गेल ने आगे बताया, मुझे कॉल आया। कॉल की दूसरी तरफ विजय माल्या और अनिल कुंबले थे। उन्होंने पूछा कि क्या मैं फिट हूं। मैंने कहा– क्या ये सच है? हां, मैं फिट हूं। उन्होंने कहा– अगर तुम फिट हो, तो हमें चाहिए कि तुम कल एम्बेसी जाकर वीजा लो। लेकिन मैंने कहा कि कल शनिवार है। उन्होंने कहा– उसकी चिंता मत करो, बस पहुंच जाओ। मैं अगले दिन गया, वीजा लिया और फ्लाइट पकड़ी। और फिर उस समय से ईस्टर शुरू हो गया। आईपीएल 2011 गेल के लिए यादगार साबित हुआ। उन्होंने सिर्फ 12 मैचों में 608 रन बनाए, जिसमें दो शतक भी शामिल थे। वह सीजन के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने और RCB को फाइनल तक पहुंचाया। इसके बाद 2012 में भी उनका जलवा जारी रहा, जब उन्होंने 15 मैचों में 715 रन बनाकर लगातार दूसरी बार ऑरेंज कैप अपने नाम की। कुल मिलाकर, गेल ने आईपीएल में 142 मैच खेले और 4,965 रन बनाए। उनके नाम छह शतक और 31 अर्धशतक दर्ज हैं। आईपीएल इतिहास में गेल का नाम हमेशा सबसे विस्फोटक बल्लेबाजों में लिया जाएगा।

भारत के इस पूर्व कोच की नजर में दो खिलाड़ियों का लय में होना जरूरी, कभी भी मैच पलटने का रखते हैं दम

दुबई। भारतीय टीम के पूर्व गेंदबाजी कोच भरत अरुण का मानना है कि आगामी एशिया कप में टीम इंडिया की सफलता काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगी कि तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह कितनी जल्दी अपनी लय हासिल करते हैं और जसप्रीत बुमराह बिना आराम लिए कितने मैच खेलते हैं। अरुण ने कहा कि भले ही अर्शदीप ने इंग्लैंड में अभ्यास सत्रों में पर्याप्त गेंदबाजी की हो, लेकिन वह लंबे समय से प्रतिस्पर्धी मैचों में गेंदबाजी से दूर रहे हैं। उन्होंने हालांकि हाल ही में उत्तर क्षेत्र की ओर से दलीप ट्रॉफी का एक मैच खेला था। उन्होंने कहा, 'हम सभी जानते हैं कि अर्शदीप क्या कर सकते हैं। उन्होंने इंग्लैंड में बहुत गेंदबाजी की होगी, लेकिन मैच अभ्यास के मामले में वह थोड़े पीछे हैं। आप चाहे अभ्यास सत्र में कितनी भी गेंदबाजी करें, असली लय मैच से ही आती है। यह अर्शदीप के लिए बड़ी चुनौती है कि वह कितनी जल्दी अपनी लय पा सकें।'

बुमराह को सभी मैच खेलना चाहिए

अरुण का मानना है कि बुमराह को तीन हफ्तों में छह टी20 मुकाबले खेलने से कोई दिक्कत नहीं होगी और उन्हें आराम की आवश्यकता भी नहीं है। उन्होंने कहा, श्मैं जसप्रीत को सभी मैचों में खेलते देखना चाहूंगा। लेकिन यह फैसला उनका है। मेरे हिसाब से इस टूर्नामेंट के फॉर्मेट को देखते हुए उन्हें किसी आराम की जरूरत नहीं है।

हर्षित की तारीफ, लेकिन निरंतरता जरूरी

भरत अरुण ने आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए तेज गेंदबाज हर्षित राणा का मार्गदर्शन किया है। उन्होंने इस युवा पेसर की तारीफ की लेकिन साथ ही कहा कि उन्हें निरंतरता हासिल करनी होगी। अरुण ने कहा, श्हर्षित टी20 क्रिकेट में बहुत प्रभावशाली रहे हैं। वह स्लोअर गेंदों का शानदार इस्तेमाल करते हैं, यॉर्कर डालने में सक्षम हैं और नई गेंद से स्विंग भी करा सकते हैं। लेकिन उन्हें निरंतरता पर काम करने की जरूरत है।

कुलदीप यादव से उम्मीदें

इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के दौरान अंतिम एकादश में जगह न बना पाने वाले कुलदीप यादव को लेकर अरुण आशावादी हैं। उन्होंने कहा, श्कुलदीप एक गेंदबाज के तौर पर बहुत बेहतर हो गए हैं। इंग्लैंड में उन्हें मौका नहीं मिला लेकिन उन्होंने निश्चित रूप से कड़ी मेहनत की होगी। उनके पास अनुभव भी है और टी20 प्रारूप में अच्छा रिकॉर्ड है। मुझे उम्मीद है कि एशिया कप में वह प्रभाव छोड़ेंगे।

स्पिन तिकड़ी टीम की मजबूती

भारत के पास इस बार स्पिन विभाग में तीन बड़े विकल्प हैं। इनमें कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती शामिल हैं। अरुण के मुताबिक इनमें से किसी को भी बाहर करना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा, श्वरुण टी20 में मैच–विजेता हैं। कुलदीप की अपनी खासियत है। वहीं अक्षर बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दे सकते हैं। मुझे लगता है कि तीनों को साथ खिलाना टीम के लिए फायदेमंद होगा।

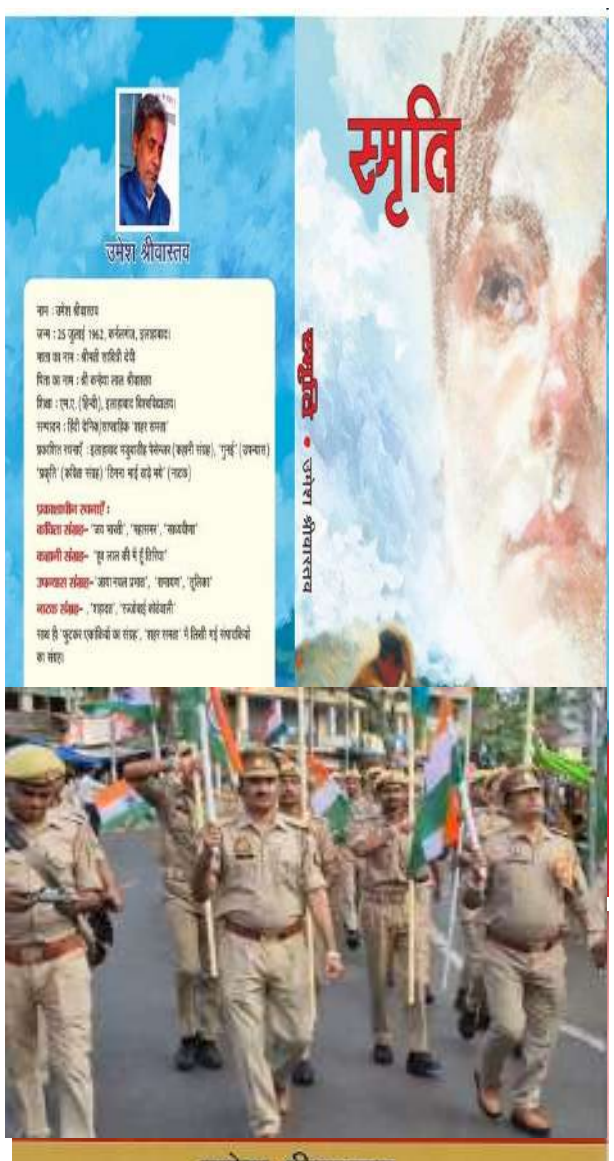

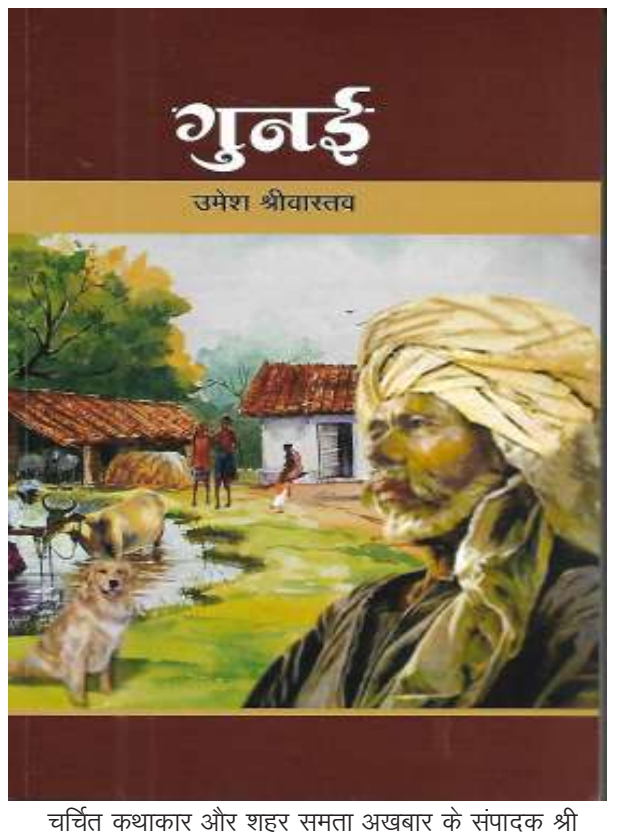

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

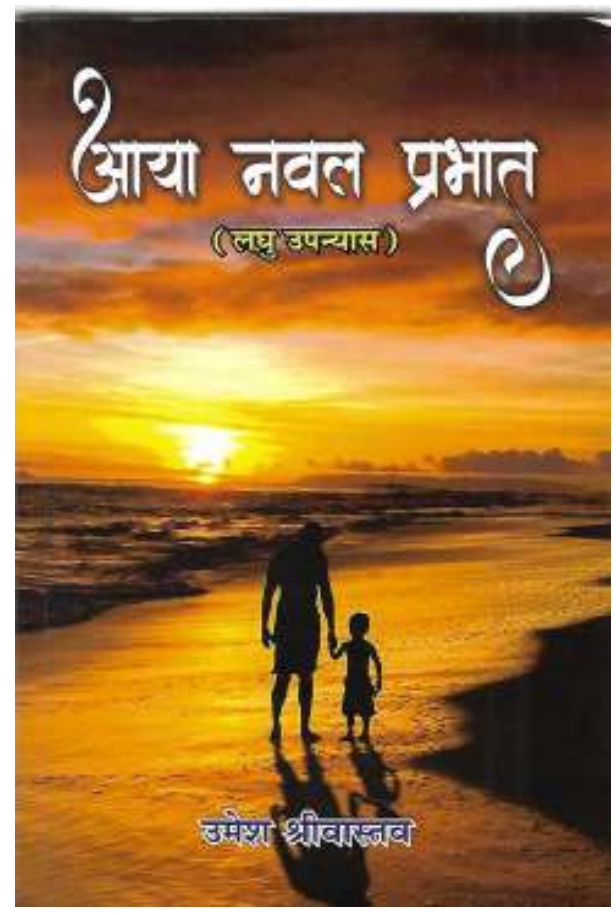

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

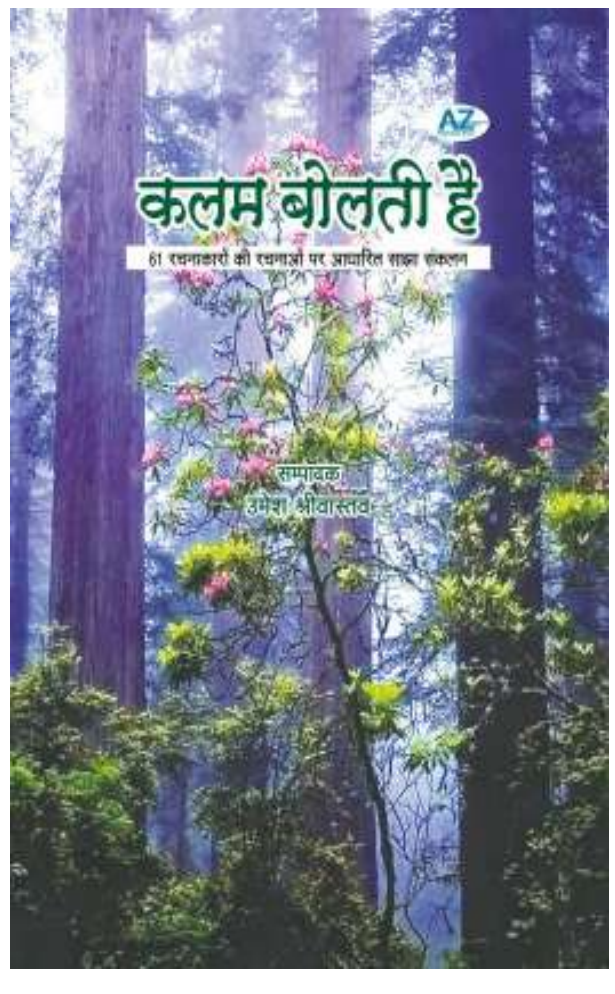

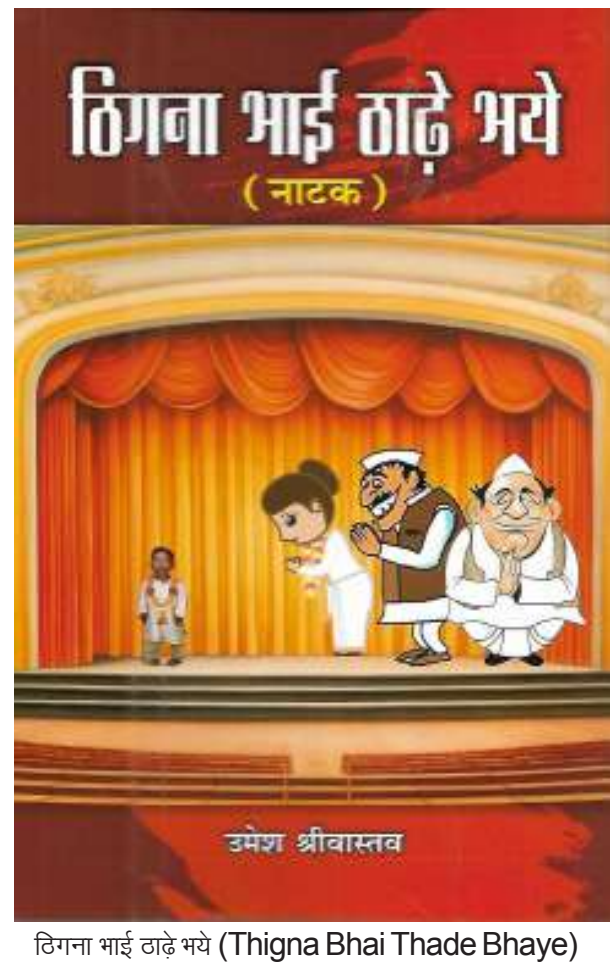

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

काठमांडू की सड़क पर भागते रहे नेपाल के वित्त मंत्री, बरसते रहे लात-घूंसे, वीडियो वायरल

नेपाल में हिंसक सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान प्रदर्शनकारियों ने नेपाल के वित्त मंत्री विष्णु प्रसाद पौडेल की पिटाई कर दी। यह हमला उस समय हुआ जब राजधानी काठमांडू और अन्य शहरों में हज़ारों जेनरेशन ज़ेड प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा बलों के साथ झड़प हुई। बढ़ते दबाव के बीच, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपने पद से इस्तीफ़ा दे दिया है। यह इस्तीफ़ा प्रदर्शनकारियों द्वारा सरकार विरोधी नारे लगाते हुए उनके कार्यालय में घुसने के कुछ ही घंटों बाद दिया गया है। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच कई दिनों से चल रही हिंसक झड़पों के बाद यह इस्तीफ़ा दिया गया है, जिसमें कम से कम 19 लोग मारे गए हैं और 300 से ज़्यादा घायल हुए हैं। इससे पहले, ओली ने बढ़ते संकट से निपटने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाने का आह्वान किया था, लेकिन विरोध प्रदर्शनों के नियंत्रण से बाहर होते जाने के कारण अंततः उन्होंने पद छोड़ने का फैसला किया। राजनीतिक उथल-पुथल के बीच, सूत्रों ने पुष्टि की है कि विरोध प्रदर्शन तेज़ होने पर प्रधानमंत्री ओली दुबई भागने पर विचार कर रहे हैं। उनके जाने के लिए एक एयरलाइन को तैयार रखा गया है। बढ़ते दबाव के बीच, प्रधानमंत्री ने पहले ही उप-प्रधानमंत्री को कार्यकारी ज़िम्मेदारियाँ सौंप दी हैं, जिससे संकेत मिलता है कि प्रदर्शनकारियों के साथ आगे के टकराव से बचने के लिए वह निकट भविष्य में देश छोड़ सकते हैं। ओली के इस्तीफ़े से कुछ घंटे पहले, गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने बालकोट स्थित उनके निजी आवास में आग लगा दी और सोमवार के विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई मौतों और घायलों की जवाबदेही की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने विपक्षी नेता पुष्प कमल दहल (प्रचंड), नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और गृह मंत्री तथा संचार मंत्री समेत कई सरकारी मंत्रियों समेत अन्य प्रमुख राजनीतिक हस्तियों के घरों में भी तोड़फोड़ की। सरकार द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लगाए गए प्रतिबंध के बाद ये विरोध प्रदर्शन भड़क उठे, जिसके बारे में अधिकारियों का दावा था कि यह प्रतिबंध गलत सूचनाओं को रोकने के लिए ज़रूरी था। सरकार के इस फैसले और भ्रष्टाचार के व्यापक मुद्दों से नाराज़ जेनरेशन ज़ेड युवा आंदोलन ने देश भर में बड़ी संख्या में रैली निकाली। हिंसा सोमवार को चरम पर पहुँची, जब पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़पों में कम से कम 19 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।

संक्षिप्त

इजरायल की राजधानी यरुशलम में भीषण आतंकी हमला, हमलावर ने बस स्टॉप पर बरसाई गोलियां

इजराइल ने यरूशलम गोलीबारी की निंदा करते हुए इसे अपनी राजधानी पर एक भयानक आतंकवादी हमला बताया। इजराइली सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि ऐसी घटनाएं उनके देश में पहले हुए अत्याचारों की याद दिलाती हैं। इजराइली पुलिस, आपातकालीन बचाव सेवाओं और स्थानीय अस्पतालों के अनुसार, फिलीस्तीनी हमलावरों ने सोमवार को उत्तरी यरूशलम के एक व्यस्त चौराहे पर एक बस स्टॉप पर

गोलीबारी की, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। पूर्वी यरुशलम में एक बस स्टॉप पर हुई गोलीबारी में 6 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। इजराइली अधिकारियों ने इस हमले के लिए वेस्ट बैंक के दो फिलिस्तीनियों को जिम्मेदार बताया है। पुलिस के मुताबिक, दोनों हमलावरों को मौके पर ही मार गिराया गया। दूसरी ओर, गाजा पट्टी में इजराइली सेना के ताजा हमलों में 32 फिलिस्तीनियों की मौत हुई। इनमें से 19 लोग गाजा सिटी में मारे गए। इजराइल ने गाजा सिटी की एक और ऊंची इमारत को निशाना बनाया, जिससे अब तक इस अभियान में ढहाई गई इमारतों की संख्या 50 से ज्यादा हो गई है।

गाजा में हालात बेहद खराब

गाजा के दक्षिणी हिस्से अल-मवासी में हजारों विस्थापित फिलिस्तीनी परिवार बेहद खराब हालात में रह रहे हैं। यहां न तो पर्याप्त टेंट हैं, न पीने का पानी और न ही स्वास्थ्य सुविधाएं। लोग टूटी-फूटी इमारतों में शरण ले रहे हैं। गर्मी के कारण दिन में टेंट में रहना मुश्किल हो जाता है।

नेतन्याहू ने च्ड मोदी का जताया आभार, इजराइल के साथ खड़े होने के लिए दिया धन्यवाद

पूर्वी यरुशलम में गोलीबारी की घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक जताया था। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारत का आभार जताया है। इजराइली प्रधानमंत्री ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में आतंकवाद को एक ऐसा अभिशाप बताया जो सभी के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि इज़राइल के साथ खड़े होने और हम सभी के लिए खतरा बने आतंक के अभिशाप के खिलाफ खड़े होने के लिए पीएम मोदी का धन्यवाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इज़राइल में नागरिकों पर हुए जघन्य आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा करता है। यरुशलम में निर्दोष नागरिकों पर हुए जघन्य आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हैं। हम पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, भारत आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा करता है और आतंकवाद के प्रति अपनी ज़ीरो टॉलरेंस की नीति पर अडिग है। इजराइल ने यरूशलम गोलीबारी की निंदा करते हुए इसे अपनी राजधानी पर एक भयानक आतंकवादी हमला बताया। इजराइली सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि ऐसी घटनाएं उनके देश में पहले हुए अत्याचारों की याद दिलाती हैं। इजराइली पुलिस, आपातकालीन बचाव सेवाओं और स्थानीय अस्पतालों के अनुसार, फिलीस्तीनी हमलावरों ने सोमवार को उत्तरी यरूशलम के एक व्यस्त चौराहे पर एक बस स्टॉप पर गोलीबारी की, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए।

पीओजेके पीएम खुलेआम कर रहे आतंकवाद का समर्थन, अमजद अयूब मिर्जा ने लगाया जिहादी संगठनों से गठजोड़ का आरोप

पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर (पीओजेके) के प्रधानमंत्री चौधरी अनवर उल हक खुलेआम आतंकवाद का समर्थन करने और जिहादी संगठनों से गठजोड़ करने के लिए कड़ी आलोचना का सामना कर रहे हैं। पीओजेके कार्यकर्ता और राजनीतिक विश्लेषक अमजद अयूब मिर्जा ने उन पर कट्टरपंथी विचारधारा को बढ़ावा देने के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है और चेतावनी दी है कि उनके कृत्य क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए सीधा खतरा हैं। एक कड़े बयान में मिर्जा ने आरोप लगाया कि हक अपनी जनसभाओं में चरमपंथी संगठनों को आमंत्रित कर रहे हैं और जिहाद का खुला आह्वान कर रहे हैं। मिर्जा ने कहा, देखिए, यह कोई रहस्य नहीं है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर के प्रधानमंत्री खुद सभी जिहादी संगठनों को अपनी जनसभाओं में आमंत्रित कर रहे हैं और अल-जिहाद, अल-जिहाद के नारे लगा रहे हैं और उन्होंने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि उनकी सरकार भारतीय कश्मीर में जिहाद को बढ़ावा देने जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए हक पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा मुकदमा क्यों नहीं चलाया गया? उन्होंने कहा कि वह खुलेआम आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हैं और उनके सार्वजनिक बयान, प्रेस बयान, मीडिया में उनके बयानों का हवाला दिया गया है, लेकिन वह अभी भी पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के प्रधानमंत्री बने हुए हैं। वह मुजफ्फराबाद और अन्य जगहों पर हो रही सभी रैलियों का समर्थन कर रहे हैं। मिर्ज़ा ने क्षेत्र में गहरी जड़ें जमाए राजनीतिक दमन पर भी प्रकाश डाला।

36 साल के नौजवान की एक आवाज पर उबल पड़ा नेपाल, कौन हैं जेन-जेड आंदोलन के फेस सुदन गुरुंग

नेपाल सरकार द्वारा फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, यूट्यूब और एक्स सहित 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाने के बाद युवाओं के विरोध प्रदर्शनों में कम से कम 19 लोग मारे गए और 300 से ज़्यादा घायल हुए। इस अशांति के कारण गृह मंत्री रमेश लेखक को भी इस्तीफा देना पड़ा, जिन्होंने स्थिति से निपटने के सरकार के तरीके की बढ़ती आलोचना के बीच अपने पद से इस्तीफा दे दिया। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने विरोध प्रदर्शनों में घुसपैठ करने वाले अवांछित तत्वों को अशांति के लिए ज़िम्मेदार ठहराया, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि सरकार का इरादा पूरी तरह से सेंसरशिप के बजाय नियमन का है। बढ़ते दबाव के बीच, उसी दिन बाद में कैबिनेट ने प्रतिबंध हटा लिया और संचार मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग ने घोषणा की कि सोशल मीडिया पर पहुँच बहाल कर दी जाएगी।

सुदान गुरुंग कौन हैं?

विरोध प्रदर्शनों में सबसे आगे 36 वर्षीय सुदान गुरुंग हैं। गुरंग युवाओं के नेतृत्व वाले एक गैर-सरकारी संगठन हामी नेपाल के अध्यक्ष हैं। एक इंस्टाग्राम पोस्ट में गुरुंग ने कहा कि उनके समूह ने औपचारिक रूप से रैलियाँ आयोजित करने की अनुमति मांगी थी और छात्रों से स्कूल यूनिफॉर्म पहनने और किताबें साथ रखने की अपील की थी, जिससे ये प्रदर्शन शांतिपूर्ण प्रतिरोध का प्रतीक बन गए। ब्लैकआउट से पहले, हामी नेपाल ने विरोध प्रदर्शन के मार्गों और सुरक्षा दिशानिर्देशों को साझा करने के लिए सोशल मीडिया का सक्रिय रूप से उपयोग किया था। गुरुंग 2015 के भूकंप में अपने बच्चे को खोने के बाद नागरिक सक्रियता की ओर मुड़ गए। इस अनुभव ने उनके जीवन को पूरी तरह से बदल दिया और उन्हें आपदा राहत और युवा लामबंदी की ओर प्रेरित किया। समय के साथ, उन्होंने पारदर्शिता और जवाबदेही की माँग करते हुए कई अभियानों का नेतृत्व किया है, जिनमें बीपी कोइराला इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज में धरन का प्रसिद्ध ष्धोपा कैंपष विरोध प्रदर्शन भी शामिल है। आज, उन्हें एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में देखा जाता है जो जेनरेशन ज़ेड की डिजिटल युग की कुंठाओं को संगठित, अहिंसक कार्रवाई में बदल देते हैं।

प्रधानमंत्री ओली के इस्तीफे की मांग

नेपाल के कई हिस्सों में मंगलवार को छात्रों के नेतृत्व में नए सिरे से विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। काठमांडू के कलंकी और बानेश्वर के साथ-साथ ललितपुर जिले के चापागांव-थेचो इलाके से भी प्रदर्शन की खबरें आईं। जेनरेशन जेड के आंदोलनकारी नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आंदोलनकारी युवाओं ने ललितपुर जिले के सुनाकोठी स्थित संचार मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग के आवास पर भी पथराव किया।

जो भी चीन के करीब जाएगा वहां तख्तापलट हो जाएगा ? अमेरिका के इशारे पर नेपाल में विद्रोह

जो बाइडेन जब सत्ता में थे तो उस दौरान कई देशों में तख्तापलट हुआ। ट्रंप जब आए तो अब ऐसा लगता है कि उनके कार्यकाल में भी दुनिया के तमाम देशों में तख्तापलट होगा जो उनकी बात नहीं सुनेंगे। अब भारत के पड़ोसी नेपाल में ऐसा नजारा देखने को मिल रहा है। जिस तरह से सड़कों पर प्रदर्शनकारी बवाल काट रहे हैं। हंगामा कर रहे हैं। मरने मारने के लिए तैयार हैं। संसद भवन में घुसकर हंगामा करने का प्लान

कर चुके हैं। लग रहा है कि नेपाल में भी तख्तालट होने की तैयारी कर ली गई है। पिछले कुछ समय से आपने देखा है कि कैसे नेपाल में हिंदू राष्ट्र बनाने को लेकर मांग उठी और सड़कों पर लोग उतरे। उसके बाद से ही नेपाल में काफी उथल पुथल देखने को मिली। अब जब नेपाल सरकार ने ये फैसला लिया कि सोशल मीडिया नहीं चलेगा। फिर बवाल शुरू हो गया। युवा सड़कों पर उतर गए। जिन देशों में तख्तापलट की स्क्रिप्ट लिखी गई वहां युवाओं को ही मोहरा बनाया गया। चाहे वो बांग्लादेश में आरक्षण के नाम पर छात्रों का आंदोलन शुरू करवाना हो। आज उन छात्रों को कोई पूछने वाला नहीं है। जिन छात्रों ने हसीना को सत्ता से बेदखल किया, अब वे ही साइड लाइन कर दिए गए। अगस्त 2024 में बांग्लादेश में हसीना सरकार के तख्तापलट एक महीने में नोबेल विजेता मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का प्रमुख नियुक्त किया गया। 90 दिनों में चुनाव होना था, लेकिन वे पिछले 13 माह से पीएम बने हुए हैं। श्रीलंका में युवाओं को आगे करके राजपक्षे की पूरी सत्ता उखाड़ फेकी गई। जपक्षे परिवार की पार्टी साफ, विक्रमसिंघे जेल गए, 2022 के आर्थिक संकट के बाद राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षा देश छोड़कर भागे। 23 सितंबर 2024 में अनुरा कुमार दिसानायके राष्ट्रपति बने। अनुरा सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और 5 पूर्व मंत्रियों को भष्ट्राचार के मामलों में जेल की सजा सुनाई गई। अब ठीक वहीं हालात नेपाल में पैदा कर दिए गए हैं। नेपाल में 18 से 25 साल के युवा सड़कों पर हैं। वे सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरे हुए हैं। काठमांडू के सोतमिराज धुंगाना ने एक पोस्ट में लिखा कि अब सरकार हमारी आवाज कयलना चाहती है। नेता अभिव्यक्ति की आजादी की बातें करते हैं, लेकिन हमारी आवाज बंद कर देते हैं। यह शर्मनाक है। हम चुप नहीं रहेंगे। एक अन्य नेपाली यूजर ने लिखा- राजनीतिक परिवारों के बच्चे महंगी माड़ियां, विदेश में पढ़ाई और शाही जिंदगी जीते हैं, यी भी जनता के टैक्स के पैसों से। युवा एक प्रदर्शनकारी ने छात्र ने बताया कि कुछ देर पहले पुलिस ने गोलियां चलाई। मुझे नहीं लगी, लेकिन पीछे खड़े दोस्त को हाथ में लग गई। अभी भी गोलीबारी चल रही है। संसद के अंदर से भी आवाज आ रही है। सड़क पर खड़े दोस्त को सिर में गोली लगी। पुलिस घुटनों के ऊपर निशाना लगाकर अंधाधुंध गोली चला रही है। क्या उन्हें यह करने का हक है? श्रीलंका का चीन से करीब जाना और हंबनटोटा पर बीजिंग की मौजूदगी। समुद्र में भारत के खिलाफ खुफिया जानकारी एकट्ठा करना। हालांकि भारत ने चीन और श्रीलंका को ठीक ठाक तरीके से जवाब दिया और मजबूर हालाक में कोलंबो को मदद भी पहुंचाई। अमेरिका का भी श्रीलंका संकट में बहुत बड़ा रोल कहा जाता है। एशिया में जो भी चीन के करीब जाता है उसे अमेरिका द्वारा पसंद नहीं किया जाता है। श्रीलंका चीन के करीब गया और वहां तख्तापलट हो जाता है। आज तक स्थिति नहीं सुधरी। बांग्लादेश भारत के विरोध में चीन के करीब गया। बांग्लादेशी नेताओं की यात्राएं हुई और शेख हसीना के खिलाफ प्लानिंग हुई। फिर वहां भी तख्तापलट हो गया।

यरुशलम में खूनी आतंकी हमला! 6 मारे गए, इजराइल बोला - हमारी राजधानी पर हुआ भयानक हमला

इज़राइल आपातकालीन सेवा ने सोमवार को बताया कि पूर्वी यरुशलम में हुए एक गोलीबारी हमले में कम से कम छह लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। साथ ही, इसमें शामिल ष्आतंकवादियोंष को भी मार गिराया गया है। गोलीबारी की यह घटना यरुशलम के यिगाल यादिन स्ट्रीट पर रामोट जंक्शन पर हुई। कथित तौर पर गोलीबारी की यह मुख्य चौराहा यरुशलम के उत्तरी प्रवेश द्वार पर है, जो शहर के पूर्वी हिस्से में स्थित यहूदी बस्तियों की ओर जाने वाली सड़क पर स्थित है। कथित तौर पर आतंकवादी एक बस में सवार हुए और यात्रियों पर गोलीबारी शुरू कर दी। यरूशलेम में हुई गोलीबारी में कम से कम 15 लोग हताहत हुए हैं, इज़राइल की एम्बुलेंस सेवा ने शुरुआत में बताया, बाद में मृतकों की संख्या के बारे में जानकारी दी।टाइम्स ऑफ़ इज़राइल के अनुसार, कम से कम दो बंदूकधारियों ने गोलीबारी की, जिसने प्रारंभिक रिपोर्टों का भी हवाला दिया।

सेमीकंडक्टर को लेकर इस साल बड़ा धमाका करने वाला है ताइवान, उपकरणों की बिलिंग होगी दोगुनी

ताइवान में सेमीकंडक्टर उपकरणों की बिलिंग इस वर्ष दोगुनी होने की उम्मीद है। उद्योग के निर्माता आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अनुप्रयोगों की मजबूत वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए उत्पादन का विस्तार करने के इच्छुक हैं। सेमीकॉन ताइवान 2025 के उद्घाटन से पहले सेमी समाचार सम्मेलन में बोलते हुए सेमी के उद्योग अनुसंधान और सांख्यिकी निदेशक क्लार्क त्सेंग ने कहा

कि ताइवान में सेमीकंडक्टर उपकरण बिलिंग में इस वर्ष वार्षिक 100 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है, जो कि पहले के 70 प्रतिशत वृद्धि के अनुमान से अधिक है। उन्होंने कहा कि ताइवान को एआई-संबंधित सेमीकंडक्टर्स, विशेष रूप से ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट्स (जीपीयू) और हाई बैंडविड्थ मेमोरी (एचबीएम) में बड़े पैमाने पर निवेश से बढ़ावा मिला है, जिससे दुनिया में सबसे तेज़ वृद्धि दर्ज की गई है। त्सेंग ने बताया कि वर्ष के पहले सात महीनों में, ताइवान में सेमीकंडक्टर उपकरणों की बिलिंग एक साल पहले की तुलना में 134 प्रतिशत बढ़ गई। उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरिया भी एआई विकास से लाभान्वित हो रहा है, जैसा कि सात महीने की अवधि में सेमीकंडक्टर उपकरणों के बिलों में साल-दर-साल 38 प्रतिशत की वृद्धि की उसकी रिपोर्ट से स्पष्ट है। इस बीच, चीन में पिछले वर्ष अपेक्षाकृत उच्च तुलनात्मक आधार के कारण साल-दर-साल 11 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, जैसा कि रिपोर्ट में त्सेंग के हवाले से कहा गया है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में, सेमीकंडक्टर उपकरणों की बिलिंग 2025 में सालाना 7-10 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है, जिसमें वेफर उपकरणों में 6-7 प्रतिशत, आईसी परीक्षण में 23 प्रतिशत और असेंबली उपकरणों में 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जाएगी। त्सेंग ने कहा कि 7 नैनोमीटर प्रक्रिया और अधिक उन्नत तकनीकों पर आधारित चिप्स बनाने वाले उपकरणों, साथ ही मेमोरी चिप्स, का इस वर्ष कुल वैश्विक बिलिंग में लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा होने की उम्मीद है। उन्होंने अनुमान लगाया कि यह अनुपात 2027 में 45 प्रतिशत और 2030 में 55 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा।

नेपाल में हिंसक अशांतिरू विदेश मंत्रालय ने भारतीयों को जारी की एडवाइजरी

विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को नेपाल में अपने नागरिकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की, जिसमें काठमांडू में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के विरोध में हो रहे हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच सावधानी बरतने का आग्रह किया गया। इस हिंसक प्रदर्शन में कम से कम 19 लोग मारे गए और 300 से ज़्यादा घायल हुए। विदेश मंत्रालय ने आगे कहा कि भारत सोमवार से नेपाल के घटनाक्रम पर कड़ी नज़र रख रहा है और कई युवाओं की मौत से बेहद दुखी है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक

उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.

यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।